

दुर्गा पूजा को लेकर रांची पुलिस सतर्क, मेन रोड पर निकाला फ्लैग मार्च

संवेदनशील इलाकों में ड्रोन से निगरानी, अफवाहों से दूर रहने की अपील

बिभा संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस ने फिरायालाल चौक से मेन रोड होते हुए सुजाता चौक तक फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और जवानों को पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने का निर्देश दिया। फ्लैग मार्च के दौरान पूजा पंडालों,



संवेदनशील इलाकों और विसर्जन जुलूस के निर्धारित मार्गों का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा

ड्रोन की मदद से महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखी गई। पुलिस अधिकारियों ने जवानों

को मुस्तैदी से काम करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया।

फ्लैग मार्च में नगर पुलिस अधीक्षक, यातायात पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर, रांची के अनुमंडल पदाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक (कोतवाली) और पुलिस उपाधीक्षक (नगर) सहित कई अधिकारी शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ), विक्क रिस्पांस टीम (व्यूआरटी) और मोटरसाइकिल सवार पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया। इसके अलावा कोतवाली और हिंदपीढ़ी समेत रांची के अन्य स्थाना क्षेत्रों में भी फ्लैग मार्च निकाला गया।

रांची के नगर पुलिस अधीक्षक पारस राणा ने बताया कि पुलिस ने लोगों से दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की है। उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देने और सोशल मीडिया पर भ्रमक या आपत्तिजनक सामग्री साझा करने से बचने का आग्रह किया। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को देने की अपील की गई है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

रांची में 24-25 अक्टूबर को होगी भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की बैठक, राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे शामिल

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आगामी 24 और 25 अक्टूबर को रांची में आयोजित होने वाली भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शामिल होंगे। उनके आगमन और बैठक को लेकर पार्टी संगठन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बाउरी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 23 अक्टूबर को ही रांची पहुंच जाएंगे। इसके बाद 24 अक्टूबर को प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के पहले दिन उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि नितिन नवीन के संबोधन में संगठन को मजबूत

बनाने, कार्यकर्ताओं की भूमिका और पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने जैसे विषयों पर मार्गदर्शन मिलने की उम्मीद है। बैठक में प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं, पार्टी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी रहेगी। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ आगामी राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक के दौरान पार्टी की रणनीति, संगठन के विस्तार और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

प्रणामी मंदिर में डांडिया-गरबा में झूमी महिलाएं



बिभा संवाददाता

रांची। प्रणामी ट्रस्ट और नृत्य श्री डांस स्टूडियो के संयुक्त तत्वावधान में पुंदाग स्थित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर में नवरात्रि के अवसर पर गुरुवार को संगीतमय डांडिया-गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भक्ति गीत संगीत पर महिलाएं आनंद में झूमीं। कार्यक्रम में पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने डांडिया और गरबा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। डांस मास्टर श्रीराम सोनी और नृत्य श्री डांस स्टूडियो की निर्देशिका पंकि सिंह के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने अपनी नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

देर तक झूमते रहे। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सराफ ने बताया कि नवरात्रि पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। साथ ही श्री राधा-कृष्ण की मनमोहक सजावट और श्री राधारानी के आकर्षक भूंगांर ने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। भक्ति, संगीत और पारंपरिक नृत्य के संगम ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सराफ, सुरेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, मधुसूदन जाजोदिया, अरविंद अग्रवाल, दीपेश निराला, पवन पोद्दार, प्रवीण राजगढ़िया सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सीएमपीडीआई ने स्कूली बच्चों के बीच आयोजित की सतर्कता जागरूकता प्रतियोगिताएं

रांची(बिभा): सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 (26 अक्टूबर से 1 नवंबर) के उपलक्ष्य में सीएमपीडीआई की ओर से गुरुवार को राजधानी के दो विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर काले रोड स्थित गोंदवाना प्राइमरी स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता तथा हातमा स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं के जरिए छात्रों ने रचनात्मकता के साथ नैतिक मूल्यों और सत्यनिष्ठा पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान इस वर्ष की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' अंकित स्कूल बैग एवं जूट बैग का वितरण बच्चों के बीच किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को ईमानदारी और नैतिक आचरण अपनाने के लिए सतर्कता की शपथ भी दिलाई गई। सीएमपीडीआई का यह प्रयास छात्रों में सच्चाई व पारदर्शिता की भावना विकसित कर समाज में सकारात्मक वातावरण तैयार करना है।

आरयू के वाणिज्य विभाग और दीक्षांत मंडप के जर्जर भवनों के जीर्णोद्धार की मांग

रांची(बिभा): रांची विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग और मोरहाबादी स्थित दीक्षांत मंडप के जर्जर भवनों को लेकर अबुआ अधिकार मंच ने गहरी चिंता जताई है। मंच के यूथ एंड स्टूडेंट वेलफेयर ईचार्ज अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. आर.के. शर्मा से मुलाकात कर दोनों भवनों के जीर्णोद्धार की मांग को लेकर ज्ञापन सांपा। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि वाणिज्य विभाग में करीब 600 विद्यार्थी, शिक्षक व कर्मी नियमित रूप से आते हैं, लेकिन भवन की खस्ताहाली से हमेशा खतरे की आशंका बनी रहती है। वहीं दीक्षांत मंडप और उससे जुड़े कमरों व शौचालयों की स्थिति भी अत्यंत दयनीय है। बड़े कार्यक्रमों के दौरान यहां जुटने वाले लोगों की सुरक्षा को देखते हुए अविर्लंब मरम्मत, साफ-सफाई और नियमित रखरखाव की मांग की गई। कुलसचिव डॉ. आर.के. शर्मा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए छात्रों को आशवासन दिया कि दोनों भवनों की मरम्मत का कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा। इस मौके पर विशाल कुमार यादव, बिपिन कुमार यादव, दिवाकर प्रजापति, अमित कुमार, अजीत, आकाश, अनमोल और प्रभात महतो सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

एनयूएसआरएल में 'मैंटरशिप डे 3.0' आयोजित, कुर्किंग प्रतियोगिता में त्रिपुरा के व्यंजनों ने जीता पहला पुरस्कार

रांची(बिभा): नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल), रांची में शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों को सुदृढ़ करने और टीम भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'संगच्छेध्वम मैंटरशिप डे 3.0' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष कुर्किंग प्रतियोगिता में कुल 33 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की खासियत यह रही कि प्रत्येक टीम के साथ संकाय सदस्य बतौर मेंटर जुड़े थे, जिससे शिक्षकों और विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला। प्रतियोगिता के दौरान टीमों को व्यंजन तैयार करने के लिए तीन घंटे का समय दिया गया। विद्यार्थियों ने कश्मीर से लेकर तमिलनाडु और गुजरात से लेकर नागालैंड तक के पारंपरिक व्यंजनों को तैयार कर भारत की समृद्ध खाद्यपारंपरा और सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. (डॉ.) अशोक आर. पाटिल, डीपीआईआईटी-आईपीआर चेयर प्रोफेसर निशी शबाना तथा 'लिटिल्स बेक्स एंड बिस्ट्रो' के शेफ हर्ष गखर बतौर विशेष अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, पाक कौशल और टीमवर्क की सराहना की। प्रतियोगिता में त्रिपुरा के पारंपरिक व्यंजनों को प्रस्तुत करने वाली आशीष सिलसिलवाल के नेतृत्व वाली टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, संकाय मेंटर श्रीमोशु कुमार दाश के मार्गदर्शन में वाराणसी का प्रसिद्ध 'टमाटर चटनी' तैयार करने वाली टीम द्वितीय स्थान पर रही। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि मैंटरशिप केवल अकादमिक मार्गदर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपसी विश्वास, संवाद और साझा अनुभवों से मजबूत होने वाला संबंध है।

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, के. रवि कुमार ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों में विशेष गहन पुनरीक्षण (रकफ) से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी ईआरओ एवं एईआरओ को निर्देश दिया कि 22 अक्टूबर 2026 तक ऐसे मतदाताओं की बूथवार सूची का वितरण बच्चों के बीच किया जा तैयार की जाए, जिनकी दो बार नोटिस सुनवाई के बावजूद आवश्यक दस्तावेज प्राप्त नहीं हुए हैं। नवंबर के पहले सप्ताह में बीएलओ एवं बीएलए-2 की 5वीं बैठक निर्धारित की जानी है। उक्त बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2 को यह सूची साझा की जाएगी तथा सभी संबंधित मतदान केंद्रों पर इसका प्रकाशन भी



किया जाए, ताकि संबंधित व्यक्तियों को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने में सहायता दी जा सके। के. रवि कुमार ने कहा कि यदि सत्यापन में किसी व्यक्ति का नाम अन्य राज्य अथवा विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज पाया जाता है और वह संबंधित मतदान केंद्र की सूची में अपना नाम नहीं रखना चाहता, तो नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए नाम विलोपित

सीएमपीडीआई में राजभाषा माह के विजेता सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची: सीएमपीडीआई मुख्यालय में राजभाषा माह-2026 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार ने की। इस मौके पर निदेशक (तकनीकी/आरडी एंड टी, बीडी) आनंद मोहन सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधक एवं बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का नियमित उपयोग करने वाले कर्मियों को निर्धारित प्रावधानों के तहत



नकद पुरस्कार दिए गए। राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्यालय स्तर पर 'राजभाषा अध्यक्षीय विजेता शील्ड' विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग को तथा उपविजेता शील्ड सामग्री प्रबंधन विभाग को प्रदान की गई। वहीं, क्षेत्रीय संस्थानों की श्रेणी में क्षेत्रीय संस्थान-5 (बिलासपुर) ने विजेता शील्ड पर कब्जा जमाया। अध्यक्षीय संबोधन में अजय कुमार ने कहा कि हिंदी देश की राजभाषा होने के साथ राष्ट्रीय एकता और साझी संस्कृति का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हिंदी का

पांचा स्थित अब्रन डिजाइन कपड़ा फैक्ट्री में दो दिवसीय मजदूर आंदोलन समाप्त, प्रबंधन ने मानी प्रमुख मांगों

बिभा संवाददाता

रांची: रांची के पाँचा स्थित अब्रन डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड कपड़ा फैक्ट्री में वेतन वृद्धि और बुनियादी अधिकारों को लेकर चल रहा दो दिवसीय मजदूर आंदोलन प्रबंधन के साथ लिखित समझौते के बाद समाप्त हो गया। जेएलकेएम के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो के नेतृत्व में चले इस आंदोलन के कारण दो दिनों तक फैक्ट्री में कामकाज ठप रहा। आंदोलन के दूसरे दिन कंपनी प्रबंधन, श्रम विभाग के अधिकारियों और पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी में लगभग 3-4 घंटे तक चली वार्ता के बाद सभी प्रमुख मांगों पर सहमति बन गई। समझौते के तहत अकृशल मजदूरों का कुल सीटीसी 15,795 रुपये, अर्ध-कुशल का 16,430 रुपये



और कुशल मजदूरों का 20,734 रुपये तय किया गया। इसके अलावा वेतन का भुगतान हर महीने की 1 से 10 तारीख के बीच करने, काम का समय सुबह 8 से शाम 5 बजे तक रखने और रविवार व छुट्टियों में काम के बदले दोगुनी दर से भुगतान करने पर सहमति बनी। मजदूरों से दुर्व्यवहार के आरोप में एडमिन गौरव कुमार को निष्कासित करने, अवैध बर्खास्तगी पर रोक

शिक्षा को रोजगार से जोड़ने पर शिक्षक संवाद समारोह आयोजित

कौशल आधारित शिक्षा से युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नए अवसर : डॉ. जेबी पाण्डेय

बिभा संवाददाता

रांची। उपा मार्टिन फाउंडेशन की सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत गुरुवार को एसपीडी कॉन्फ्रेंस हॉल में शिक्षक संवाद समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय शिक्षा को रोजगार से कैसे जोड़ा जाए था। समारोह में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने तथा उन्हें कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. जे. बी. पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में लैक रिसर्च सोसाइटी के निदेशक डॉ. अंजेश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अंगरा की जिला परिषद सदस्य श्रीमती अनुराग मुंडा, टाटी पूर्वी के मुखिया श्री कृष्णा पाहन तथा टाटी की समाजसेवी श्रीमती माधुरी देवी ने भी भाग लिया। उनकी उपस्थिति से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के विकास और विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों से जोड़ने के प्रयासों को प्रोत्साहन मिला।



मुख्य अतिथि डॉ. जे. बी. पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में ज्ञान, कौशल, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता का विकास करना भी है। वर्तमान समय में शिक्षा को व्यावहारिक जीवन और रोजगार की आवश्यकताओं से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को उनकी रुचि, क्षमता और योग्यता के अनुरूप मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए, ताकि वे भविष्य में रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ स्वरोजगार के क्षेत्र में भी आगे बढ़ सकें। विशिष्ट अतिथि डॉ. अंजेश कुमार ने शिक्षा के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और कौशल विकास को जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को स्थानीय

शिक्षा और कौशल में समन्वय से मिलेगा रोजगार: डॉ मयंक मार्टिन फाउंडेशन के संविद डॉ. मयंक मुरारी ने शिक्षा, कौशल विकास और आजीविका के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि वे अपनी क्षमता के अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकें और स्वरोजगार के माध्यम से भी आगे बढ़ सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा एवं कौशल विकास से जुड़ी पहलों को मजबूत बनाने में शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय समुदाय की सहभागिता महत्वपूर्ण है।

सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस सम्मान का उद्देश्य शिक्षा के प्रति समर्पित शिक्षकों का उत्साहवर्धन करना तथा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में उपा मार्टिन फाउंडेशन के आसपास के गांवों के जनप्रतिनिधियों, सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों तथा फाउंडेशन द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित विद्यार्थियों ने भाग लिया। संवाद के दौरान शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक कौशल प्रदान करने और ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों एवं अवसरों के बेहतर उपयोग करने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। उपा मार्टिन फाउंडेशन की ओर से सचिंद कुमार, प्रिया बागची, बरुण

पूर्व मध्य रेल
विविध वैधुतिक कार्य हेतु ई-निविदा सूचना विद्युत (सामान्य) निविदा के लिए खुली विविधताएं
मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: ई-निविदा संख्या— ईरल/26/खुली/2026-27 & ईरल/27/खुली/2026-27 ई-निविदा संख्या—ईरल/26/खुली/2026-27, क्रम सं. 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधि: (A) धनबाद डिवीजन—RGM/मशीन साइडिंग का अपग्रेडेशन— 42 संख्या (B) धनबाद डिवीजन— 300 मीटर लंबाई वाली ट्रेक मशीन साइडिंग की व्यवस्था—10 संख्या (कार्य समापन अवधि— 12 माह). 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹. 1,40,37,107.04/—, 3. बिड सिक्युरिटी: : ₹. 2,80,800.00/— ई-निविदा संख्या—ईरल/27/खुली/2026-27, क्रम सं. 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधि: SSE/CPU के अधिकार क्षेत्र में लगे बिजो टाइप एयर कंडीशनर, रिप्ले टाइप एयर कंडीशनर, बॉटर कूलर और रेफ्रिजरेटर मशीनों के लिए तीन साल का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध। (कार्य समापन अवधि— 36 माह). 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹. 21,06,591.01/—, 3. बिड सिक्युरिटी: : ₹. 42,100.00/— 4. सभी का बिड मूल्यांकन प्रणाली: एक पैकेट प्रणाली, 5. सभी ई-निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय: ई-निविदा बंद होने की तिथि: दिनांक 04.11.2026 को 11:00 बजे, ई-निविदा खुलने की तिथि: दिनांक 04.11.2026 को 11:30 बजे के बाद, 6. वेबसाइट का विवरण: वेबसाइट : ireps.gov.in , ई-निविदा के तहत मैनुअल एंटरप्राइस स्वीकार नहीं किये जाएंगे। वरीय मंडल विद्युत अभियंता (सो) पूर्व मध्य रेल, धनबाद पीआर/1114/डीएवरन/ईरलईसीटी/सी/26-27/52

जब प्यासे हों खेत और खाली हों थालियां तो कैसे संवरेगा भविष्य?



बढ़ती जा रही है क्योंकि पानी की कमी संघर्ष का निरंतर बढ़ता कारण बनती जा रही है। पृथ्वी पर जल एक सीमित और असीम मूल्यवान ऐसा प्राकृतिक संसाधन है, जिसके बिना धरती पर भोजन और जीवन असंभव है। यही नहीं, विश्वभर में 60 करोड़ से भी ज्यादा लोग अपनी आजीविका के लिए जलीय खाद्य प्रणालियों पर ही निर्भर हैं, जिनमें छोटे पैमाने के मछुआरे, मछली किसान, मछली प्रोसेसर और उनके आश्रित शामिल हैं, जो तटीय और अंतर्देशीय समुदायों की रीढ़ माने जाते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं और विश्वभर में संस्कृतियों को प्रभावित करते हैं।

दुनिया से भुखमरी को मिटाने के प्रयासों में जलवायु परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय तनाव, आर्थिक समस्याएं इत्यादि सबसे बड़ी बाधा बन रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, बार-बार होने वाले मौसम के झटकों, संघर्षों, आर्थिक मंदी, असमानता और महामारी के कारण विश्व में करीब 733 मिलियन लोग भूख का सामना कर रहे हैं, जिसका सर्वाधिक असर गरीब और कमजोर तबके पर पड़ता है, जिनमें से कई कृषि परिवार हैं। कोरोना महामारी के दौर के बाद लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलस्तीन के भीषण युद्ध जैसी विकट परिस्थितियां भी भूख की समस्या को कम करने के बजाय और विकराल बनाने में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इसलिए इस समस्या को कम

करने के लिए दुनियाभर में तेज गति से गंभीर प्रयास किए जाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि भूख और कुपोषण लंबे समय तक चलने वाले संकटों से और बढ़ जाते हैं, जो संघर्ष, चरम मौसम की घटनाओं और आर्थिक झटकों के संयोजन से प्रेरित होते हैं।

आज दुनिया में करोड़ों लोग भूख से पीड़ित हैं और स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। एफएओ के मुताबिक विश्व में 2.8 बिलियन से भी ज्यादा लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और अस्वास्थ्यकर आहार ही सभी प्रकार के कुपोषण का प्रमुख कारण है। कमजोर लोगों को प्रायः मुख्य खाद्य पदार्थों या कम महंगे खाद्य पदार्थों पर निर्भर रहने के लिए विवश होना पड़ता है, जो अस्वास्थ्यकर हो सकते हैं जबकि अन्य लोग ताजे या विविध खाद्य पदार्थों की अनुपलब्धता से पीड़ित हैं, उन्हें स्वस्थ आहार चुनने के लिए जरूरी जानकारी की कमी है या फिर वे केवल सुविधा के लिए विकल्प चुनते हैं। दुनियाभर में प्रतिवर्ष हर 10 में से एक व्यक्ति दूषित भोजन के कारण बीमार हो जाता है और हर साल 4.2 लाख लोगों की मौत का कारण दूषित भोजन ही है, जिनमें करीब सवा लाख बच्चे भी होते हैं। संयुक्त राष्ट्र के 'खाद्य एवं कृषि संगठन' के अनुसार 2021 में दुनियाभर में 5 लाख लोगों की मौत भूख से ही हुई थी। हालाँकि ऐसा नहीं है कि पृथ्वी पर इतना अनाज पैदा नहीं हो रहा, जिससे दुनिया के हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल

सके बल्कि सबसे बड़ी समस्या पोषणयुक्त आहार तक सभी की पहुँच और उपलब्धता है।

एफएओ का कहना है कि वर्तमान में मत्स्य पालन में हम करीब तीन हजार प्रजातियों का दोहन करते हैं जबकि इनमें से केवल 650 से कुछ अधिक प्रजातियों की ही खेती करते हैं। एफएओ के मुताबिक इन जलीय पारिस्थितिक तंत्रों और उनके द्वारा समर्थित प्रजातियों का संरक्षण और सुरक्षा करना केवल एक जिम्मेदारी ही नहीं है बल्कि पृथ्वी और इसके निवासियों की भलाई के लिए एक बड़ी आवश्यकता भी है। जलीय खाद्य पदार्थ भी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और अपनी विविधता से जलीय खाद्य प्रणाली मानव के लिए पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण खाद्य स्रोत बनती है। चिंता का विषय है कि जीवनयापन के लिए आंशिक रूप से ही सही, जलीय खाद्य प्रणालियों पर निर्भर 60 करोड़ लोग प्रदूषण, पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण, अस्थिर प्रथाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से पीड़ित हैं। ऐसे में न केवल जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करने की सख्त आवश्यकता है बल्कि लोगों को अधिक भोजन तथा अन्य बुनियादी कृषि उत्पाद पैदा करने के लिए कम पानी का उपयोग करने की आवश्यकता है।

बहरहाल, वैश्विक जल एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस की जाने लगी है। सुरक्षित जल और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है कि दुनियाभर के देश पारंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और खराब जलवायु सर्वांगीण रूप से समाधान ढूँढ़ने के गंभीर प्रयास करें। मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए हमें कृषि खाद्य प्रणालियों में प्रभावी जल उपयोग सुनिश्चित करने और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग से सुरक्षित तरीके खोजने और खराब जलवायु परिवर्तन के नए समाधान ढूँढ़ने की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी तथा जलवायु परिवर्तन और बढ़ती मांग के मद्देनजर सभी के लिए क़िफायती पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए दुनिया के समक्ष मौजूद खाद्य चुनौतियों का मिलकर समाधान करना होगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त संसार' के लेखक हैं)

संपादकीय

भरसे की परीक्षा

निस्संदेह, कैरियर से जुड़ी परीक्षाएं लाखों युवाओं के भविष्य का निर्धारण करती हैं। ऐसे में परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और ईमानदारी पर परीक्षार्थियों का भरपासा कामम होना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में देशभर में जो युवा असंतोष के स्वर मुखर हो रहे हैं, उसकी शुरुआत नीट परीक्षा प्रणाली की विफलता से हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली के अलावा झारखंड, बिहार व महाराष्ट्र आदि राज्यों में परीक्षा की विसंगतियों के चलते प्रार्क्षार्थी आंदोलन करते नजर आए हैं। जब युवाओं में अपने भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हुई तो उनके सड़क पर उतरने का सिलसिला तेज हुआ। प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्रति उपजे अविश्वास को दूर करने के लिये केंद्र सरकार ने इन्फोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि को परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिये बनायी गई एक उच्च स्तरीय कमेटी का प्रमुख बनाया था। हाल ही में नीलेकणि ने परीक्षा सुधार के लिये तकनीक पर आधारित एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये पहल उपयोगी साबित हो सकती है। निस्संदेह, आज देश को एक ऐसी परीक्षा प्रणाली की जरूरत है, जिसमें हर छात्र निष्पक्ष प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सके। साथ ही परीक्षा के परिणामों पर भरोसा कर सके। दरअसल, नीलेकणि ने पेपर लीक रोकने के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नया तरीका सुझाया है। उनका एआई का प्रयोग करके अंतिम दौर में प्रश्नपत्र तैयार करने का सुझाव, ऐसे सिस्टम में सुधार का अवसर देता है, जिसे परीक्षार्थियों के भरोसे की सख्त जरूरत है। उनका तर्क है कि आधुनिक समय में एक बड़े प्रश्न बैंक से पेपर तैयार करने पर लीक के पीछे का अनेतिक मुग्राफे का कारोबार खत्म हो सकता है। निस्संदेह, उनके इस सुझाव और देशभर में कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को अपनाए जाने की बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। निर्विवाद रूप से तकनीकी इनोवेशन के जरिये प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने में मदद मिल सकती है। लेकिन इसके साथ ही संस्थागत जवाबदेही भी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण व विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में सभी प्रतियोगी छात्रों की पहुँच होनी भी जरूरी है। निस्संदेह, एआई की मदद से पेपर तैयार करने का सुझाव तार्किक है। यदि परीक्षा से ठीक पहले सुरक्षित तरीके से सवाल चुने जाएँगे तो परीक्षा से पूर्व पेपर आउट होने की आशंका कम हो जाएगी। लेकिन इसके बावजूद ऐसा ऑफलाइन सिस्टम बनाना भी जरूरी है, जो परीक्षा की जांच से जुड़ी गलतियों, पक्षपात और हेराफेरी रोकने के लिये स्वतंत्र मूल्यांकन कर सके।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे झड़कर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और अम्प्रपाली जैसी वीरगानाओं को सती-साव्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप दिखाने करते देर न लगी। वामित्र और भृतरिज जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढरा जो चिर प्रयव से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुर्गुणियों में सुगुण बढ़ते और सुगुणी में दुर्गुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उच्छृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निधन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियाँ मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

भाष्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियाँ सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवासा, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियाँ और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

आज का नवाचार, कल की हर थाली में पोषण...

दुनिया की आबादी तीव्र गति से बढ़ने के साथ-साथ विश्व में भूख की समस्या भी बढ़ती जा रही है। कई ऐसे राष्ट्र हैं, जो इस समस्या से बुरी तरह जूझ रहे हैं। विश्वभर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें पेट भरने को दो समय का भोजन तक नसीब नहीं होता। बहुत सारे लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें जिंदा रहने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। पोषित और पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण दुनिया की बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार हो रही है। भोजन को एक बुनियादी और मौलिक मानवाधिकार माना गया है लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी विडम्बना है कि खाने की कमी और कुपोषण के ही कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग जान गंवा देते हैं। भोजन, हवा और पानी के बाद तीसरी सबसे बुनियादी मानवीय जरूरत हर किसी को पर्याप्त भोजन का अधिकार ही है। चिंताजनक स्थिति है कि दुनियाभर के किसान वैश्विक आबादी से ज्यादा लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन पैदा करते हैं किन्तु फिर भी भूख बनी रहती है।

वैश्विक भुखमरी को खत्म करने और सभी लोगों को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 16 अक्तूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया जाता है। दुनिया के करीब 150 सदस्य देश मिलकर यह दिवस मनाते हैं और संयुक्त राष्ट्र के कैलेंडर में सबसे ज्यादा मनाया जाने वाला दिवस भी यही है। यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक भुखमरी से निपटना और पूरी दुनिया से उसे जड़ से खत्म करना है ताकि दुनिया का कोई भी ईसान भूखा और कुपोषित न रहे। कृषि खाद्य प्रणाली परिवर्तन के लिए वैश्विक कार्रवाई को संगठित करते द्दविश्व खाद्य दिवससह के लिए हर साल एक खास विषय निर्धारित किया जाता है। विश्व खाद्य दिवस 2026 का विषय है 'आज नवाचार करें। कल का पोषण करें।'

एफएओ के अनुसार तीव्र जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा पिछले दशकों में भीटे पानी के संसाधनों में भी प्रति व्यक्ति 20 प्रतिशत की गिरावट आई है और दशकों के खराब उपयोग व प्रबंधन, भूजल के अत्यधिक दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की उपलब्धता तथा गुणवत्ता तेजी से बिगड़ रही है। एफएओ का कहना है कि मौजूदा समय में करीब 2.4 अरब लोग जल संकट वाले देशों में रहते हैं और इस अमूल्य संसाधन के लिए प्रतिस्पर्धा



मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में जान की बाजी लगाना आजकल एक बेहद गंभीर और खतरनाक ट्रेंड बन चुका है। लोग इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर चंद लाइक्स, व्यूज और वायरल होने की चाह में अपनी जिंदगी को दांव पर लगा रहे हैं।आज सोशल मीडिया का जमाना है और बड़ी संख्या में युवाओं पर चर्चा में आने के लिए रील बना कर सोशल मीडिया पर डालने का जुनून सवार है। सोशल मीडिया पर रातों-रात प्रसिद्ध होने और लाइक्स कटने की वजह से पेशान होकर आव्हलता कर ली। वीडियो बनाने के लिए चलती हुई ट्रेन के गेट पर खररनाक डांस करना, डिब्बे के बाहर लटकना या रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर ट्रेन के सामने पोज देना सबसे आम



सौरभ वाण्य

बिना प्रमाण गंभीर आरोप लगाना लोकतंत्र, राजनीतिक विमर्श और सार्वजनिक विश्वसनीयता के लिए कितना उचित? यह सवाल अपने आप में ही प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। दुनिया के अनेक देशों में राजनीतिक गतिविधियों, चुनावी प्रक्रियाओं और जन आंदोलनों पर बाहरी प्रभाव को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन किसी आशंका को प्रमाणित तथ्य के रूप में प्रस्तुत करना और किसी राजनीतिक दल पर विदेशी धन लेकर देश में अशांति फैलाने का आरोप लगाना दो अलग-अलग बातें हैं। यही अंतर जिम्मेदार पत्रकारिता, निष्पक्ष राजनीतिक विमर्श और लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद है।

हाल ही में अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन के नाम से सोशल मीडिया के जरिये सामने आए एक बयान में भारत में सक्रिय एक राजनीतिक दल को अमेरिका से भारी वित्तीय सहायता मिलने का आरोप लगाया गया है। इस दावे में यह भी कहा गया है कि विदेशी धन का इस्तेमाल भारत की आंतरिक शांति को प्रभावित करने, सामाजिक विद्वेष बढ़ाने और केंद्र सरकार के कामकाज में बाधाएं उत्पन्न करने के लिए किया जा रहा है। आरोपों के समर्थन में कुछ व्यक्तियों और कथित वित्तीय समूहों का भी उल्लेख किया गया है।

ऐसे गंभीर आरोप सामने आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत क्या है? क्या किसी बैंक खाते का विवरण सामने आया

और घातक हादसों की वजह बन रहा है। चलती हुई गाड़ियों या बाइकों पर स्टंट करना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के रील बनाना। हाल ही में उत्तर प्रदेश के सीतापुर में एक युवक को सड़क पर खतरनाक स्टंट करने के लिए १16,000 का भारी चालान भी भुगतना पड़ा। ऊंचे पुलों और झरनों के पास पांज खतरनाक पहाड़ों, नदियों के ऊपर बने पुलों या बाढ़ के पानी के बीच रील बनाने के चक्कर में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। प्रशासन की कार्रवाई और चेतावनी इस बढ़ते खतरे को देखते हुए पुलिस और भारतीय रेलवे लगातार लोगों को आगाह कर रहे हैं। ऐसे जानलेवा स्टंट करने वालों पर भारी जुमाना लगाया जा रहा है और जेल की सजा का भी प्रावधान है। आपको बता दें कि हाल ही में ऐसे कई मामलों की झड़ी लगी है जिनमें रील बनाने के चक्कर में अनेक युवा जान गंवा बैठे। 16 सितम्बर को पालघर (महाराष्ट्र) में वैतरणा नदी के किनारे मोबाइल से रील शूट करने के दौरान गौरीश पाटिल और मानक राठौड़ नामक 2 दोस्तों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। 4 अक्तूबर को फरीदाबाद (हरियाणा) में सिरोही झील के निकट रील बनाने के दौरान मोबाइल फोन के डैमेज होने को लेकर 2 दोस्तों में विवाद इस हद तक बढ़ गया कि आपसी हाथापाई में उनमें से एक युवक की जान चली गई, जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी मुफीद उर्फ मन्नू को गिरफ्तार कर लिया।

विदेशी फंडिंग का आरोप : सनसनी से नहीं, सबूतों से तय होनी चाहिए सच्चाई

है? क्या किसी वित्तीय लेन-देन का दस्तावेज उपलब्ध है? क्या संबंधित एजेंसी ने कोई जांच की है? क्या किसी विश्वसनीय जांच रिपोर्ट या आधिकारिक दस्तावेज में इन आरोपों की पुष्टि हुई है? यदि इन सवालों के जवाब उपलब्ध नहीं हैं, तो ऐसे आरोपों को प्रमाणित समाचार की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। किसी राजनीतिक दल को विदेशी धन मिशने का आरोप सामान्य राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। यह एक गंभीर आरोप है, जिसका संबंध देश की संप्रभुता, राजनीतिक पारदर्शिता और कानून के पालन से जुड़ा है। यदि किसी दल या संगठन को अवैध विदेशी वित्तपोषण प्राप्त हुआ है, तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच से पहले ही किसी संगठन को देशविरोधी गतिविधियों में शामिल घोषित कर देना न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। राजनीति में आरोप लगाना असान है, लेकिन उन्हें प्रमाणित करना कठिन। इसलिए यह आवश्यक है कि आरोप लगाने वाला व्यक्ति अपने दावों के समर्थन में विश्वसनीय दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड या अन्य सत्यापन योग्य साक्ष्य प्रस्तुत करे। केवल सोशल मीडिया पोस्ट, राजनीतिक बयान अथवा किसी विदेशी नागरिक की टिप्पणी अपने आप किसी गंभीर आरोप का प्रमाण नहीं बन जाती। यहां यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि उपलब्ध विवरण के आधार पर मैरी मिलबेन के नाम से प्रसारित आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं मानी जा सकती। जब तक विश्वसनीय साक्ष्य सामने नहीं आते, तब तक इन्हें आरोप या दावा ही कहा जाना चाहिए, स्थापित तथ्य नहीं।

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों को अपनी विचारधारा रखने, सरकार की नीतियों की आलोचना करने और जनता के सामने अपना पक्ष रखने का अधिकार है। यही लोकतंत्र की शक्ति है। लेकिन जब राजनीतिक विरोध को विदेशी साजिश, देशविरोधी गतिविधि या राष्ट्रीय सुरक्षा के संकट से जोड़ दिया जाता है, तब यह देखना जरूरी हो जाता है कि ऐसा निष्कर्ष किन तथ्यों के आधार पर निकाला गया है। यदि किसी राजनीतिक दल को बदनाम करने के उद्देश्य से अपुष्ट आरोपों को बार-बार प्रसारित किया जाता है, तो इससे जनता के बीच भ्रम पैदा हो सकता है। दूसरी ओर, यदि वास्तव में

विदेशी वित्तपोषण के जरिए पैकानूनी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, तो उनकी अमंदेखी भी नहीं की जा सकती। इसलिए न तो हर आरोप को राजनीतिक षड्यंत्र कहकर खारिज करना उचित है और न ही हर आरोप को सच मान लेना।

भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक देश है। यहां राजनीतिक गतिविधियों, संगठनों और विदेशी अंशदान से संबंधित मामलों में कानून लागू होते हैं। विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम सहित संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत पात्र संस्थाओं के विदेशी अंशदान पर नियमन और निगरानी की व्यवस्था है। किसी विशिष्ट मामले में कौन-सा कानून लागू होगा, यह संबंधित संस्था, धन के स्रोत, प्राप्तकर्ता और लेन-देन की प्रकृति पर निर्भर करता है। यदि किसी विदेशी संस्था या व्यक्ति द्वारा भारतीय कानूनों का उल्लंघन करके धन उपलब्ध कराने के प्रमाण मिलते हैं, तो सक्षम एजेंसियों को जांच करनी चाहिए। लेकिन विदेशी नागरिकों का राजनीतिक टिप्पणियों को अपने आप विदेशी फंडिंग का सबूत नहीं माना जा सकता। इसी प्रकार, किसी राजनीतिक दल की सरकार विरोधी गतिविधि मात्र से यह निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता कि उसके पीछे विदेशी धन है। भारत की संप्रभुता की रक्षा करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि इस विषय का इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के विरुद्ध बिना प्रमाण आरोप लगाने के लिए न किया जाए। मैरी मिलबेन पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की कुछ नीतियों के समर्थन में अपनी राय व्यक्त कर चुकी हैं। किसान आंदोलन के दौरान कृषि सुधारों पर उनका रूख और लोकतंत्र नरेंद्र मोदी और भारत की कुछ नीतियों के समर्थन में अपनी राय व्यक्त कर चुकी हैं। किसान आंदोलन के दौरान कृषि सुधारों पर उनका रुख और लोकतंत्र नरेंद्र मोदी और भारत की कुछ नीतियों का हिस्सा रही हैं। लेकिन किसी व्यक्ति का पहले किसी सरकार का समर्थन करना या किसी नीति के पक्ष में बोलना, उसके नए आरोपों की सत्यता का प्रमाण नहीं बन जाता। राजनीतिक समर्थन और तथ्यात्मक प्रमाण दो अलग-अलग विषय हैं। किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, अंतरराष्ट्रीय पहचान या किसी नेता के प्रति उसकी प्रशंसा के आधार पर उसके प्रत्येक दावे को सही नहीं माना जा सकता। उसी तरह, किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचारों से असहमति होने के कारण उसके प्रत्येक कथन को गलत भी नहीं ठहराया जा सकता। हर दावे की जांच उसके

तीन युवक तेज लहरों की चपेट में आ जाने के परिणामस्वरूप बह गए।

उरोक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि पिछले कुछ समय के दौरान रील बनाने के रूझान और इससे होने वाली दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। इस संबंध में हम युवाओं को यही सलाह देंगे कि वे अपनी जान जोखिम में डाल कर इस प्रकार के कारनाब न करें क्योंकि उनकी इस तरह की भूलें उनके परिवारों को जिंदगी भर की पीड़ा दे सकती है। युवाओं को लगता है कि एक रील वायरल होते ही वे रातों-रात स्टार बन जाएंगे।

पीछे छूट जाने का डर दूसरों को रील बनाकर लोकप्रिय होते देख, युवा भी बिना सोचे-समझे उसी अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं स्क्रॉन पर दिखने वाले लाइक और हार्ट युवाओं के दिमाग में एक अस्थायी खुशी पैदा करते हैं, जिसकी उन्हें लत लग जाती है।

इस जानलेवा सनक को कैसे रोक जाए?माता-पिता को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि उनका बच्चा सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट कर रहा है और किस तरह के वीडियो बना रहा है।

पुलिस और प्रशासन को खतरनाक जगहों पर रील बनाने वालों के खिलाफ सख्त जुमाना और जेल की सजा का प्रावधान मजबूत करना होगा।

स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं को यह समझाने की जरूरत है कि जान है तो जहान है, कोई भी रील आपकी जिंदगी से ज्यादा कीमती नहीं हो सकती।

प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए।आज सोशल मीडिया के दौर में सनसनीखेज दावे तेजी से फैलते हैं। कई बार किसी बयान को आकर्षक शीर्षक देकर इस तरह प्रसारित किया जाता है कि पाठक आरोप और सच्चाई के बीच का अंतर भूल जाते हैं। इससे लोकतांत्रिक संवाद प्रभावित होता है और समाज में अनावश्यक अविश्वास पैदा हो सकता है।

समाचार माध्यमों की जिम्मेदारी है कि वे किसी भी गंभीर आरोप को प्रकाशित करने से पहले उसके स्रोत, संदर्भ और प्रमाणों की पड़ताल करें। संबंधित राजनीतिक दल या व्यक्ति का पक्ष लें, आधिकारिक रिकॉर्ड की जांच करें और जहां पुष्टि उपलब्ध न हो, वहां स्पष्ट रूप से लिखें कि दावा स्वतंत्र रूप से सत्यापन नहीं हुआ है। पाठकों को भी चाहिए कि वे किसी सनसनीखेज पोस्ट को तुरंत सच मानने या आगे प्रसारित करने से पहले उसकी विश्वसनीयता जांचें। राष्ट्रहित का अर्थ केवल किसी सरकार या राजनीतिक दल का समर्थन करना नहीं है इसका अर्थ सत्य, कानून, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति प्रतिबद्धता भी है।

यदि भारत में किसी राजनीतिक दल या संगठन को अवैध विदेशी वित्तीय सहायता मिलने का ठोस प्रमाण है, तो उसे सार्वजनिक करना जाना चाहिए और कानून के अनुसार जांच होनी चाहिए। लेकिन यदि आरोप केवल बयानबाजी और अपुष्ट दावों पर आधारित हैं, तो उन्हें तथ्य के रूप में प्रचारित करना जनता को भ्रमित करने जैसा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों को अपने नेता के पक्ष में विचार रखने का पूरा अधिकार है। विपक्षी दलों को सरकार की आलोचना करने का भी समान लोकतांत्रिक अधिकार है। दोनों के लिए एक ही कसौटी होनी चाहिए तथ्य और प्रमाण।

भारत की प्रतिष्ठा किसी सनसनीखेज बयान से न तो बनती है और न ही बिगड़ी चाहिए। देश की प्रतिष्ठा मजबूत होती है निष्पक्ष जांच, पारदर्शी व्यवस्था, स्वतंत्र पत्रकारिता और न्यायपूर्ण कार्रवाई से। इसलिए विदेशी फंडिंग के इस कथित मामले में भी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के बजाय प्रमाण सामने लाने की मांग की जानी चाहिए। लोकतंत्र में आरोप लगाना अधिकार हो सकता है, लेकिन आरोप को सच मानने से पहले प्रमाण मांगना जनता का अधिकार और पत्रकारिता का दायित्व है।



रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है सूर्य नमस्कार

दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए सूर्य नमस्कार सबसे अच्छा व्यायाम है। जिस प्रकार 12 राशियां, 12 महीने होते हैं, उसी प्रकार सूर्य नमस्कार भी 12 स्थितियों से मिलकर बना है। कोविड महामारी के समय में आप सूर्य नमस्कार को अपना कर अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं-

- सूर्य नमस्कार का अभ्यास इन 12 स्थितियों में किया जाता है, आइए जानें-
- दोनों हाथों को जोड़कर सीधे खड़े हों। नेत्र बंद करें। ध्यान 'आज्ञा चक्र' पर केंद्रित करके 'सूर्य भगवान' का आह्वान 'ॐ मित्राय नमः' मंत्र के द्वारा करें।
- श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कानों से सटाते हुए ऊपर की ओर तानें तथा भुजाओं और गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं। ध्यान को गर्दन के पीछे 'विशुद्धि चक्र' पर केंद्रित करें।
- तीसरी स्थिति में श्वास को धीरे-धीरे बाहर निकालते हुए आगे की ओर झुकाएं। हाथ गर्दन के साथ, कानों से सटे हुए नीचे जाकर पैरों के दाएं-बाएं पृथ्वी का स्पर्श करें। घुटने सीधे रहें। माथा घुटनों का स्पर्श करता हुआ ध्यान नाभि के पीछे 'मणिपूरक चक्र' पर केंद्रित करते हुए कुछ क्षण इसी स्थिति में रुकें। कमर एवं रीढ़ के दोष वाले साधक न करें।
- इसी स्थिति में श्वास को भरते हुए बाएं पैर को पीछे की ओर ले जाएं। छाती को खींचकर आगे की ओर तानें। गर्दन को अधिक पीछे की ओर झुकाएं। टांग तनी हुई सीधी पीछे की ओर खिंचाव और पैर का पंजा खड़ा हुआ। इस स्थिति में कुछ समय रुकें। ध्यान को 'स्वाधिष्ठान' अथवा 'विशुद्धि चक्र' पर ले जाएं। मुखाकृति सामान्य रखें।

मेडिटेशन को करें अपने रूटीन में शामिल और पाएं बेहतरीन फायदे

- मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते हैं, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे -
- मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।
 - अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।
 - दि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।
 - गुस्सेल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।
 - निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।
 - हृदयरोग की रोकथाम



लाइफस्टाइल बदल डाली तो ऐसे बढ़ेगी इम्युनिटी



इम्युनिटी कमजोर होने में खराब जीवनशैली का बड़ा हाथ है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि शरीर पर बाहरी माइक्रोऑर्गेनिज्म के होने वाले हमलों के खिलाफ इम्यून सिस्टम पहली डिफेंस लाइन मानी जाती है। जितनी तगड़ी इम्युनिटी होगी उतने ही बीमारी पकड़ने के अवसर क्षीण होते जाएंगे। खराब जीवनशैली से इम्यून सिस्टम की डिफेंस में छेद होने लगता है।

खराब जीवनशैली

यदि आपके पास टीक से खाना खाने और भरपूर नींद लेने का वक्त नहीं हो तो समझ लें कि आपकी जीवनशैली खराब है जो आपके इम्यून सिस्टम को तेजी से कमजोर कर रही है। यह टीक है कि आधुनिक जीवनशैली में वर्क प्रेशर इतना अधिक है कि उसका शरीर पर खराब असर पड़ रहा है लेकिन प्रेशर रहने के बावजूद भी स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न किया जा सकता है।

कब हुई थीं सालाना जांचे ?

30 साल की उम्र हो जाने के बाद शरीर की नियमित जांचें कराना बेहद जरूरी है। इन दिनों अत्यधिक तनाव झेलने के कारण कम उम्र में ही हाई ब्लड प्रेशर अथवा शुगर की बीमारियां जड़ पकड़ लेती हैं। यह देखा गया है कि शुरुआती जांचों में ही कई बार लंबी बीमारियों की जड़ पकड़ में आ जाती है।

टाइम निकालें

खुद के लिए समय निकालें। यदि काम के घंटे फिक्स नहीं हैं तो वर्क स्टेशन को ही वर्कआउट के लिए सेंट कर लें। काम के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में ब्रेक लेते रहें और शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दें। मसलन आप स्पाॅट रनिंग कर सकते हैं, स्ट्रेचिंग कर सकते हैं, वाशरूम तक तेज गति से जाकर वापस आ सकते हैं। वर्क स्टेशन एक्सरसाइज के बारे में जानने के लिए कई वेबसाइट्स हैं जो कई तरह के सॉल्यूशन्स उपलब्ध कराती हैं।

पानी कब पिया था ?

क्या आपको याद कि अंतिम बार आपने पानी कब पिया था ? पानी न सिर्फ हाइड्रेट रखता है बल्कि हाजमा और किडनी दोनों को तंदुरुस्त रखता है। इम्यून सिस्टम टीक से काम करता रहे इसके लिए जरूरी है कि हाजमा टीक रहे। मेटैबोलिक सिस्टम के बिगड़ने ही शरीर का हर अवयव और उसकी कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

ये बदलाव लाएं जीवनशैली में

लाइफस्टाइल को दुरुस्त कर लेना आपके लिए बिल्कुल आसान है लेकिन इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। आपको केवल टान लेना है बाकि सभी चीजें अपने आप टीक होने लगती हैं। आप इतना तो कर ही सकते हैं कि सुबह जब भी आप उठते हैं, एक गिलास कुनकुना नींबू पानी पीकर दिन की शुरुआत कर सकते हैं। यदि आप रोज देर से उठ रहे हैं तो काम के घंटों के साथ एडजस्ट कर सकते हैं। नींबू पानी के साथ ताजे आवले का रस मिल सके तो पी लें नहीं तो बाजार से आवले के रस का पैक भी खरीद कर रख सकते हैं। सेंसर का रस अथवा आवले के रस से विटामिन सी का तगड़ा डोज सुबह उठते ही मिल जाए तो दिन की अच्छी शुरुआत मानी जा सकती है। अपने भोजन में अदरक और हल्दी को विशेष रूप से शामिल करने का आग्रह करें। इससे असमय सोने के कारण होने वाली एसिडिटी एवं जलन से राहत मिल सकती है।

गोल्डन मिल्क

रात को सोते समय हल्दी मिला हुआ दूध जरूर पिएं। जो लोग रात को जागते रहकर काम करते हैं उन्हें यह दूध खासतौर पर पीना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें जागने के कारण होने वाली समस्याओं से निजात पाने में मदद मिलती है।



जब भी हमें छोटी-मोटी सेहत समस्या, हल्का सा दर्द व घाव आदि होता है तो हमारा शरीर उसे अपने आप ठीक करने में भी सक्षम होता है। लेकिन कई लोग जरा सी भी परेशानी होने पर अत्यधिक एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से है तो आइए, आपको बताते हैं कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर होने से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

- एंटीबायोटिक - हममें से कई लोगों की आदत होती है, एंटीबायोटिक्स दवाओं का अत्यधिक सेवन करना। लेकिन गैरजरूरी समय पर इनका सेवन करने से आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है। अत्यधिक जरूरत के समय ही एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करें।
- ओषधियां - जब भी आप वायरल या शारीरिक दर्द महसूस करें, ऐसी आयुर्वेदिक या घरेलू ओषधि अपने साथ रखें जो प्रतिरोधकता बनाए रखती हैं।
- नींद - पर्याप्त नींद न होना आपके दिमाग और शरीर को बेवजह थकावट देता है और आपकी प्रतिरोधकता भी कम होती है। हर दिन 8 घंटे की नींद आपको स्वस्थ और खुशगवार रखने में सहायक है।
- शुगर - शर्करा खाने से मनाही नहीं है, लेकिन अतिरिक्त शर्करा से भरे खाद्य पदार्थ जैसे

एंटीबायोटिक ज्यादा लेने से कमजोर हो सकती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

- सोडा, एनर्जी ड्रिंक, जूस व अन्य पदार्थों से दूरी बनाएं। यह आपकी सेहत का पूरा हिसाब गड़बड़ कर देंगे, और प्रतिरोधकता में कमी भी।
- धूप है जरूरी - त्वचा को अगर धूप से बचाते हैं, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। बल्कि धूप लेना प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए पर्याप्त धूप लेने का नियम बनाएं।
- जिक - जिक की पर्याप्त मात्रा का सेवन भी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने का एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए अलग से जिक की गोलियां खाने के बजाए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जिनसे आपको नैचुरल जिक प्राप्त हो।
- पतेंदार सब्जियां - पतेंदार सब्जियां या फिर सलाद जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन खूब करें। इनसे प्राप्त होने वाले एंजाइम्स आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करते हैं और हर तरह का पोषण प्रदान करते हैं, जिसकी आपको जरूरत है।

गर्म पानी के साथ लहसुन के फायदे

खाने के स्वाद को बढ़ाने तथा सब्जी व दाल में तड़का लगाने में लहसुन का प्रयोग आप खूब करते हैं। लहसुन जहां भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, वहीं इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं। लहसुन हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो हमारे शरीर को अंदर से मजबूत रखता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। वहीं अगर हम लहसुन को गर्म पानी के साथ लें तो यह हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है और कई बीमारियों से निपटने की ताकत देता है।

कब्ज की समस्या से राहत

यदि आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए आप गर्म पानी के साथ कच्ची लहसुन का सेवन करें। यह पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करता करेगा और कब्ज की समस्या दूर होगी।

एंटी बैक्टीरियल व

एंटीवायरल से भरपूर

बदलते मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ता है, वहीं बारिश के दिनों में यदि आप गर्म पानी के साथ लहसुन का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और कई बीमारियों का खतरा कम

हो जाता है। इसके साथ-साथ लहसुन में मौजूद बैक्टीरिया में वायरस मारने के गुण हैं। बारिश के दिनों में होने वाले फंगल संक्रमण, फ्लू और संक्रामक बीमारियों के खतरे से भी ये आपके शरीर को बचाए रखेंगे।

ब्लड सर्कुलेशन को करें मेंटेन

गर्म पानी के साथ कच्चे लहसुन का सेवन करने से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचे रहने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन को मेंटेन करके हृदयरोग के खतरे को भी कई गुना तक कम कर सकता है।

गले की खराश से राहत

लहसुन में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश को दूर करता है।



यौन उत्पीड़न मामले में कांग्रेस सांसद अकोइजम को पुलिस का समन

-जेएनयू में 11 छात्राओं की शिकायत पर एफआईआर नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेनयू) से जुड़े एक यौन उत्पीड़न मामले में कांग्रेस सांसद अगोमचा बिमोल अकोइजम को पुछ्ताछ के लिए तलब किया है। यह कार्रवाई 11 अक्टूबर को जेएनयू के मुख्य सुरक्षा अधिकारी की शिकायत पर दर्ज एफआईआर के बाद की जा रही है, जिसमें सांसद का नाम शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मई में 11 छात्राओं ने अकोइजम के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई थीं। इन शिकायतों में आरोप है कि उन्होंने छात्राओं को अपने कैपस स्थित आवास पर बुलाकर यौन उत्पीड़न का प्रयास किया और क्लॉसरूम में भी आपत्तिजनक टिप्पणियां की। विश्वविद्यालय ने इन आरोपों की जांच के बाद उन्हें प्रोफेसर पद से बर्खास्त कर दिया था। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर चुपठी साधने और अकोइजम के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। भाजपा ने राहुल गांधी के पिनुसत्ता को खत्म करने वाले बयान पर सवाल उठाते हुए इसे राजनीतिक बयानबाजी करार दिया। भाजपा की महिला सांसदों और अन्य नेताओं ने राष्ट्रपति और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष से मिलकर सांसद अकोइजम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उनके इस्तीफे की मांग की है।

वायु प्रदूषण पर 13 हजार करोड़ खर्च, फिर भी 20 लाख मौतें और बढ़ता संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए 2019 से अब तक 13 हजार करोड़ से अधिक जारी किए हैं, लेकिन इस भारी-भरकम राशि का अधिकांश हिस्सा, करीब 68 प्रतिशत सिर्फ सड़कों की धूल हटाने पर खर्च हुआ है। इस बीच, एक रिपोर्ट इंडिया एयर पॉल्यूशन 2026 के अनुसार, 2023 में प्रदूषित हवा के कारण 20 लाख लोगों की मौत हुई, जो 2000 के मुकाबले 43 प्रतिशत अधिक है। यदि हवा तय मानकों के अनुरूप साफ हो जाए, तब भारतीयों की औसत जीवन प्रत्याशा 3.5 साल बढ़ सकती है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में भारत में पीएम 2.5 का औसत स्तर 48.9 रहा, जो डब्ल्यूएओ की तय सीमा से दस गुना से भी अधिक है। बीते साल दुनिया के 143 देशों में भारत छठा सबसे प्रदूषित देश रहा। प्रदूषण की निगरानी व्यवस्था में भी गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। 2025 में 1,600 वायु गुणवत्ता जांच स्टेशनों के बावजूद, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत आने वाले 130 शहरों में से 28 में लगातार प्रदूषण मापने वाला एक भी स्टेशन नहीं था। वहीं, 40 शहरों में प्रदूषण के वास्तविक स्रोतों की पहचान भी पूरी नहीं हुई है। परिणामस्वरूप, 2025 में देश के 229 में से 190 शहरों में पीएम10 का स्तर मानक से अधिक रहा, जिसमें गंगा के मैदानी इलाकों के 61 में से 60 शहर और दिल्ली-एनसीआर के सभी 14 शहर शामिल हैं।

आज मुख्यमंत्री योगी के दौरे से गाजियाबाद में ट्रैफिक बंद, शहर में बदलेगी व्यवस्था

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुक्रवार को गाजियाबाद दौरे के मद्देनजर शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। उनके आगमन को देखकर हापुड़ रोड और पुराने बस अड्डे चौराहे पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद रखी जाएगी, जिससे शहरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री के काफिले के गुजरने के दौरान एनएच-नौ पर भी कुछ समय के लिए यातायात रोक जाएगा। इन प्रमुख मार्गों पर यातायात बंद होने से अन्य वैकल्पिक रास्तों पर दबाव बढ़ने और भारी जाम की स्थिति पैदा होने की आशंका है। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के साथ-साथ यातायात प्रबंधन को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए हैं। मुख्यमंत्री का यह दौरा कई महत्वपूर्ण उद्देश्यों को लेकर है। उनके आगमन को निरीक्षण करने, जहां चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया जाएगा। इसके उपरान्त, सीएम बसन्ता स्थित आर्सेमएस में भाजपा नेताओं के साथ अहम बैठक करने वाले हैं। जिसमें आगामी चुनावों की तैयारियों और पार्टी की रणनीति पर गहन मंथन किया जाएगा। मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों के दौरान संबंधित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा।

फर्जी तान्त्रिक बनकर बुजुर्ग के घर से चुराए 15 लाख के गहने, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शाहदरा पुलिस ने जमीन में दफन पुश्तैनी सोना निकालने के बहाने बुजुर्ग से ठगी करने और उनके घर से करीब 15 लाख रुपए के सोने के गहने चोरी करने के आरोप में फर्जी तान्त्रिक और उसके दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों की पहचान मुजफ्फरनगर निवासी तहसीन उर्फ कुषाण शर्मा उर्फ कुषाण पंडित (48), मयूर बंगाल रहनेवाला शोबब अली (40) और पश्चिम बिहार के निवासे महकादर खान (48) के रूप में हुई है। डीसीपी ने बताया कि सीमापुरी थाने में यह मामला पीड़ित गिरिजेश सिंह (79) की शिकायत पर दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्हें एक तान्त्रिक से मिलवाया गया और आरोपियों ने असली सोने का सिक्का दिखाकर उनका विश्वास जीता और फिर अनुष्ठान के नाम पर उनसे नकद एवं गुपीआई के जरिए करीब 39 हजार रुपए टग लिए। डीसीपी ने बताया कि इसके बाद चार अगस्त की रात आरोपियों ने बुजुर्ग के घर पर मिट्टी के बर्तनों और नकली सोने के बिस्कुटों का इस्तेमाल कर अनुष्ठान करने का नाटक किया।

दिल्ली में सख्त पाबंदियों को लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त मांगी माफी

-यह मामला सीजेपी का विरोध प्रदर्शन ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग से जुड़ा है

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 9 अक्टूबर को लागू की गई सख्त पाबंदियों के मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करते हुए यह माफीनामा पेश किया और अपने खिलाफ चल रही अवमानना की कार्यवाही को खत्म करने का अनुरोध किया है। यह मामला कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के उस विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है, जिसमें पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही थी। सीजेपी का आरोप है कि मतदाता सूची के एसआईआर अभियान में भारी गड़बड़ियां हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने यह बिना शर्त माफीनामा दाखिल किया। उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर के आदेश का मकसद दिल्ली में कानून-व्यवस्था बनाए रखना था, क्योंकि 20 जुलाई को सीजेपी के चलो संसद मार्च के दौरान वहां अशांति फैल गई थी। इस आदेश के



तहत केंद्र ने 57 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने, ट्रैफिक पर रोक लगाने और प्रभावित इलाकों में इंटरनेट सेवा निलंबित करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि कुछ सेवाओं पर पूरी तरह से रोक न लगाई जाए और यह तय किया जाए कि दिल्ली के लोगों को कोई परेशानी न हो। सुप्रीम कोर्ट को दिए अपने जवाब में, मोहन ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने राजधानी दिल्ली के हालात को देखते हुए एक दिन के लिए

मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध पूरी तरह से कानून के मुताबिक ही प्रोसेस किया गया था। ये पाबंदियां केवल मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर थीं; ब्रॉडबैंड और वाईफाई कनेक्शन पर कोई रोक नहीं लगाई गई थी। इसके अलावा मोहन ने कोर्ट को बताया कि ये पाबंदियां 9 अक्टूबर की रात 10 बजे से 10 अक्टूबर की रात 10 बजे तक रायसीना हिल के चार किलोमीटर के दायरे में लागू थीं।

अपने जवाब में मोहन ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि उनके खिलाफ चल रही अवमानना की कार्यवाही को खत्म किया जाए। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष के कई अन्य नेताओं की याचिका पर सुनवाई करेगा। इस याचिका में देशव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया गया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की दो सदस्यीय पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। याचिका में विपक्षी नेताओं ने एक स्वतंत्र समिति के गठन की मांग की है। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, और इसमें तकनीकी विशेषज्ञ तथा अन्य प्रतिष्ठित नागरिक भी शामिल होंगे। यह समिति एक तय समय-सीमा के अंदर एसआईआर के दौरान हटाए गए नामों और किए गए बदलावों का स्वतंत्र ऑडिट करेगी।

यह ‘दमन’ सरकार की ताकत नहीं, बल्कि सवालों से भागने का प्रमाण

-अकिता भंडारी के माता-पिता को हिरासत में लेने पर मड़के खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। अकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की गुहार लगा रहे उनके माता-पिता को दिल्ली में हिरासत में लिए जाने के बाद राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस घटना को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और इसे मोदी सरकार की कायरता और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा करार दिया। खड़गे का यह बयान उस समय आया जब अकिता के माता-पिता सिक्किम के नए राज्यपाल के रूप में दुष्यंत कुमार गौतम की नियुक्ति के विरोध में इंडिया गेट के पास शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि न्याय की गुहार लगाने वाले अकिता भंडारी के माता-पिता को हिरासत में लिया गया, जबकि बीजेपी से जुड़े एक ‘वीआईपी’ को राज्यपाल का पद दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि यह ‘दमन’ सरकार की ताकत नहीं, बल्कि सवालों से भागने



का प्रमाण है। खड़गे ने कहा कि एक बेटी को खो चुके माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। अकिता के माता-पिता को उस समय हिरासत में लिया गया जब वे सिक्किम के राज्यपाल के तौर पर दुष्यंत कुमार गौतम की नियुक्ति के विरोध में इंडिया गेट के पास प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप है कि अकिता भंडारी हत्याकांड में जिस ‘वीआईपी’ की भूमिका को लेकर सवाल उठते रहे हैं, वह गौतम ही हैं। 18 सितंबर 2022 में हुई इस हत्या के समय गौतम बीजेपी की उत्तराखंड इकाई के प्रभारी थे। इस हत्या मामले को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दल बीजेपी और उत्तराखंड सरकार पर लगातार निशाना साधते रहे हैं।

राहुल के आमंत्रण पर चाय पार्टी में शामिल नहीं होंगे दीपके

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अभिजीत दीपके को चाय पर आमंत्रित करने का प्रयास किया, जिससे सीजेपी के प्रति कांग्रेस के रुख में बदलाव का संकेत मिला। यह निमंत्रण सीजेपी के नेता आशुतोष रांका और सौरव दास को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के ठीक बाद दिया गया था। हालांकि, दीपके इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। सीजेपी ने मई में सोशल मीडिया पर एक ट्वेंड के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और फिर जून-जुलाई में जंतर-मंतर पर परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शनों का नेतृत्व किया, जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व का एक बड़ा हिस्सा अभी भी सीजेपी को आम आदमी पार्टी का एक हिस्सा या फंटे मानता है, और शुरुआत में सीजेपी पर संदेह व्यक्त किया गया था। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह कांग्रेस ने सीजेपी से संपर्क करने और उसके नेताओं को राहुल गांधी की हार्ड टी पर बुलाने का फैसला किया था। इस प्रयास में वकील



प्रशांत भूषण ने मध्यस्थ की भूमिका निभाने और दीपके तक पहुंचने का आग्रह किया था। दीपके से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उस समय वे महाराष्ट्र में थे। वहीं, सौरव दास और आशुतोष रांका पहले से ही पुलिस हिरासत में थे। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि दीपके को निमंत्रण दिया गया था, लेकिन वे इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विशेष रूप से उत्साहित नहीं थे। कॉकरोच जनता पार्टी ने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर एक बड़े प्रदर्शन की घोषणा की थी। इस प्रदर्शन से पहले ही दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के नेताओं अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को हिरासत

में ले लिया। पूरे शहर में भारी सुरक्षा घेराबंदी और पुलिस को सख्ती के चलते लगभग 7000 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिसकी वजह से नियोजित विरोध प्रदर्शन उस तरह से सफल नहीं हो पाया, जैसा कि ये योजना बनाई गई थी। कांग्रेस का आकलन था कि इस बार सीजेपी बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा करने में विफल रहा, जबकि जून-जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए पिछले विरोध प्रदर्शनों में यह स्थिति नहीं थी। यह घटनाक्रम कांग्रेस के भीतर सीजेपी को लेकर बदलते दृष्टिकोण और उसके संभावित राजनीतिक भविष्य पर विचार-विमर्श को दर्शाता है।

ठंड से पहले मौसम करेगा टॉर्चर, दिल्ली समेत 20 से ज्यादा राज्यों में चैतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली (ईएमएस)। गुलाबी ठंड की दस्तक से पहले ही देश के कई हिस्सों में मौसम ने नकवट बदली है। मौसम विभाग के अनुसार, देश के करीब 20 से ज्यादा राज्यों में बारिश की संभावना बनी हुई है। विशेष रूप से पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन का अलर्ट जारी किया गया है, जबकि दक्षिणी हिस्सों में मूसलाधार बारिश की आशंका जताई गई है। यह मौसमी बदलाव उत्तर-पश्चिम भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण हो रहा है, जिसके चलते तापमान में गिरावट से पहले अचानक मौसम में उथल-पुथल देखने को मिल सकती है।

इन मौसमी प्रणालियों के चलते जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी चेतावनी जारी की गई है, जिससे फसलों और सामान्य जनजीवन पर असर पड़ने की संभावना है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे मौसम में अचानक होने वाले इन बदलावों के प्रति सतर्क रहें। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज दिनभर आसमान में आमतौर पर बादल छाए

रहेंगे। शाम तक कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तेज हवाएं चलने में भी आसार हैं, जिससे मौसम ठंडा हो सकता है। मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि रात में भी दिल्ली के कई इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। राजधानी में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। मध्य और पूर्वी भारत की बात करें तो, बिहार में फिलहाल मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे संटे

बिहार के कुछ इलाकों में सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन के चलते 16 से 18 अक्टूबर के बीच राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है। झारखंड में भी कई जगहों पर हल्की या छुटपुट बारिश दर्ज की जा सकती है, जिससे इन क्षेत्रों में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ रहेगा। दक्षिण भारत में, कोकण, गोवा और तटीय कर्नाटक में गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा। हालांकि, दक्षिण-पश्चिम मॉन्सून की वापसी के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हो चुकी हैं, और 15 से 19 अक्टूबर के दौरान दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बारिश का एक नया दौर देखने को मिल सकता है,

रूसी सेना में फिर शामिल हो रहे भारतीय : सुप्रीम कोर्ट में सरकार की चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि कुछ भारतीय, जिन्हें पहले रूसी सेना से मुश्किल से निकाला गया था, वे अब अपनी मर्जी से फिर से उसी सेना में शामिल हुए हैं और उनका कोई अता-पता नहीं है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ के संयुक्त विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत एक स्थिति रिपोर्ट में गंभीर जानकारी सामने आई है। एंड्रशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि इस तरह के कई मामले सामने आए हैं जहां भारतीय व्यक्ति आर्थिक लाभ के प्रलोभन में रूसी सेना में शामिल होने के प्रस्ताव स्वीकार करते हैं। उनका मकसद अस्थायी वित्तीय लाभ प्राप्त करना और बाद में भारत सरकार से संपर्क कर सुरक्षित वापसी की उम्मीद करना होता है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि रूस में टूरिस्ट, स्टूडेंट या वर्क वीजा पर गए कुछ भारतीय, कम समय के लिए मिलने वाले आर्थिक लाभों के लालच में रूसी सेना में शामिल होने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि कई भारतीयों ने दूतावास से संपर्क कर अपनी भारतीय नागरिकता स्वेच्छा से छोड़ने, रूसी पासपोर्ट लेने और फिर रूसी सेना में भर्ती होने की बात कही है, जो इस प्रलोभन की गंभीरता को दर्शाता है। सरकार लगातार अपने नागरिकों को संकेतग्रस्त क्षेत्रों से निकालने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही है, लेकिन कुछ व्यक्तियों का स्वेच्छा से इस खतरे को दोबारा मोल लेना एक चिंताजनक स्थिति पैदा करता है।

इकलौते विधायक के बाद भी चुनौती बन गए प्रशांत किशोर

-सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिए पद संभालने के छह महीने के भीतर ही नई राजनीतिक चुनौती सामने आ गई है। यह चुनौती न तो प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से है और न ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से। बल्कि, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) अपने एक विधायक के दम पर मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। बीजेपी के गढ़ बांकीपुर में मिली जीत ने प्रशांत किशोर को सम्राट चौधरी के नेतृत्व पर सवाल उठाने का एक नया मंच दे दिया है। उन्हें पद से हटाने की मांग भी कर दी। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में मिली जीत ने प्रशांत किशोर की चुनौती को और गंभीर बना दिया। यह सीट लगभग तीन दशकों से बीजेपी का गढ़ मानी जाती थी। उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने बीजेपी उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 19,324 वोटों के अंतर से हराया। यह सीट बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी के लिए यह पहला बड़ा चुनावी



परीक्षण था, और हार ने विपक्ष को उनके जमीनी राजनीतिक प्रभाव पर सवाल उठाने का मौका दिया। जीत के बाद प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री से बिहार के लिए एक काबिल और चरित्रवान मुख्यमंत्री चुनने की अपील की। प्रशांत किशोर की चुनौती अब केवल व्यक्तिगत हमलों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह बिहार में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के भीतर मतभेदों का भी फायदा उठा रहे हैं। गठबंधन में बीजेपी, जेडीयू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राज्यसभा

सांसद उषेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। गठबंधन के भीतर असहमति का ताजा उदाहरण बिहार विधान परिषद चुनावों में देखने को मिला है। आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले इन चुनावों में जन सुराज पार्टी के लिए समर्थन जुटाने की कोशिशों ने एनडीए के सहयोगी दलों के बीच तालमेल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मोकामा से जेडीयू विधायक अनंत सिंह ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार के खिलाफ जन सुराज के उम्मीदवार अनुज कुमार सिंह का खुलकर समर्थन किया है। अनंत सिंह ने इसे नीरज कुमार

के साथ अपनी पुरानी प्रतिद्वंद्विता का परिणाम बताया है, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका विरोध नीरज कुमार से है, न कि नीतीश कुमार या जेडीयू से। विवाद सुलझाने के लिए एनडीए विधायकों की बैठक मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विवाद सुलझाने के लिए एनडीए विधायकों की बैठक बुलाई और आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ प्रचार न करने की चेतावनी दी, लेकिन मतभेद दूर नहीं हो सके। प्रशांत किशोर ने इस विवाद को और हवा देते हुए नीतीश कुमार को सार्वजनिक रूप से मतदाताओं से नीरज कुमार के समर्थन की अपील करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर नीतीश कुमार ऐसा करते हैं, तो जन सुराज अपने उम्मीदवार को वापस ले लेगा। एनडीए की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होंगी; उषेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा में भी नेतृत्व को लेकर बग़ावत सामने आई है, जहां पार्टी के चार में से तीन विधायक खुले तौर पर पटना के चुनौती दे रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने सम्राट चौधरी के सामने गठबंधन को एकजुट रखने की चुनौती बढ़ा दी है।

राहुल गांधी का मकसद भारत के संविधान और लोकतंत्र को तबाह करना है : भंडारी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रभारी और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने एक्स पर खुद की एक रिकॉर्डेड वीडियो पोस्ट कर कहा कि राहुल गांधी की पोस्टर गर्ल नेहा बोरा साबित करती हैं कि राहुल का विरोध राजनीतिक नहीं है और उनका मकसद सत्ता परिवर्तन है। नेहा बोरा ने कहा है कि वह बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन से प्रेरित हैं और चाहती हैं कि भारत में भी वैसा ही हो। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो में प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी और उनका पूरा इकासिस्टम पॉलिटिकल रिजिम चेंज करना चाहता है। नेहा बोरा जो राहुल गांधी के पूरे प्रोटेस्ट की पोस्टर गर्ल हैं, उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा है कि वह

बांग्लादेश के जेनजी मूवमेंट से प्रेरित हैं। जैसा बांग्लादेश में हुआ, वे वैसा ही भारत के अंदर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इससे ये साबित होता है कि राहुल गांधी का मकसद भारत के संविधान और लोकतंत्र को तबाह करना है। पूरा कांग्रेस इकोसिस्टम भारत के लोकतंत्र को बर्बाद करना चाहता है। बांग्लादेश की तरह सत्ता परिवर्तन करना चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो लोग भारत के संविधान में विश्वास करते हैं, उन्हें राहुल गांधी के इकासिस्टम का विरोध करना चाहिए। बता दें राहुल गांधी ने बुधवार को कहा था कि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराने के लिए सीजेपी के नेताओं को जेल भेजना कायरता का काम है। यह बयान तब आया था जब सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को बुधवार को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़



जेल भेज दिया गया था जबकि अजिंक्य शिंदे को निजी मुचलके पर रिहा कर दिया था। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा था- शांतिपूर्ण विरोध में जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराना अपराध नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल भेजना कायरता का काम है। छात्र, युवा, पत्रकार, इंडिया ब्लॉक, अलग-अलग बैनर के एक ही कारण हैं कि नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि जंतर-मंतर भारत के लोगों का



जिससे इन क्षेत्रों में भी मौसम में बड़ा बदलाव महसूस होगा और किसानों व आम जनता को सतर्क रहने की आवश्यकता होगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर न्यायिक पदाधिकारियों के साथ बैठक, अधिकाधिक मामलों के निष्पादन पर जोर

21 नवंबर को विशेष एनआई एक्ट लोक अदालत और 12 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। आगामी 21 नवंबर को आयोजित होने वाली विशेष एनआई एक्ट लोक अदालत और 12 दिसंबर 2026 को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर गुरुवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्री सुभाष की अध्यक्षता में न्यायिक पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित बैठक में दोनों आयोजनों की तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही, अधिकाधिक समझौता योग्य मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशानुसार आयोजित इस बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने संबंधित न्यायिक पदाधिकारियों को



लंबित मामलों की पहचान कर उनके निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि समझौते की संभावना वाले मामलों को प्राथमिकता दी जाए तथा संबंधित पक्षकारों से समय पर संपर्क स्थापित कर उन्हें लोक अदालत में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए। इसके अलावा आवश्यक अभिलेख समय पर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

चेक बाउंस के मामलों का होगा त्वरित निष्पादन
बैठक में विशेष एनआई एक्ट लोक अदालत के तहत परक्राम्य लिखत अधिनियम से संबंधित चेक अनादरण यानी चेक बाउंस के मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष चर्चा हुई। संबंधित न्यायालयों को आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने और पक्षकारों के बीच समझौते की संभावनाएं तलाशने का निर्देश दिया गया, ताकि

अधिकाधिक मामलों का निपटारा किया जा सके।

कई तरह के मामलों का होगा निपटारा

राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण वसूली, चेक बाउंस, बिजली एवं पानी के बिल, भरण-पोषण, श्रम विवाद, शमनीय आपराधिक मामले, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, उपभोक्ता एवं बीमा विवाद सहित अन्य समझौता योग्य मामलों का निपटारा आपसी सहमति और सुलह के आधार पर किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से लंबित समझौता योग्य मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया जारी है। वहीं, आम लोगों को लोक अदालत के लाभों की जानकारी देने के लिए शहरी एवं

ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

समय और धन की होगी बचत

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सुभाष ने कहा कि लोक अदालत लंबित मामलों के निपटारे के साथ आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में विवादों के समाधान का प्रभावी मंच है। इसके माध्यम से पक्षकारों को समय और धन की बचत के साथ लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलती है। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत को संबंधित न्यायालयों, बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर अधिकाधिक मामलों के निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही, जिले के नागरिकों से अपील की कि वे निर्धारित

तिथियों पर आयोजित विशेष एनआई एक्ट लोक अदालत एवं राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लेकर अपने समझौता योग्य मामलों का निपटारा कराएं। कहा लोक अदालत के माध्यम से अपने समझौता योग्य मामलों का समाधान कराने के इच्छुक पक्षकार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, व्यवहार न्यायालय परिसर, मुख्य भवन, प्रथम तल, साहिबगंज अथवा अनुमंडल विधिक सेवा समिति, राजमहल में संपर्क कर सकते हैं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आम नागरिकों से अपील की कि वे आपसी सहमति एवं सुलह के माध्यम से विवादों का समाधान कराएं और विशेष लोक अदालत तथा राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।



बिभा संवाददाता

साहेबगंज। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल अंतर्गत योजनाओं कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित बहुग्रामीण जलापूर्ति योजना, बल्क वाटर सप्लाई योजना एवं एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने

संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने लंबित कार्यों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने एवं योजनाओं के प्रभावी अनुश्रवण पर विशेष बल दिया। मौके पर कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग शशि शेखर सिंह, संबंधित सहायक अभियंता, कनीय अभियंता एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

दूसरी कक्षा के छात्रा से बेरहमी से मारपीट का आरोप

उधवा(बिभा)। उधवा प्रखंड क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय सह उक्रमित उच्च विद्यालय बेगमगंज में दूसरी कक्षा की एक छात्रा के साथ कथित रूप से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों ने संबंधित शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार छात्रा पर होमवर्क पूरा नहीं करने के कारण शिक्षक मुकेश कुमार द्वारा छड़ी से मारने का आरोप लगाया गया है। परिजनों का दावा है कि छात्रा के चेहरे सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान हैं। इस घटना को लेकर परिजनों में नाराजगी है। इसर शिक्षक मुकेश कुमार ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया है।

महिला किसान दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, योजनाओं का लाभ लेने की अपील

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड क्षेत्र के पूर्वी उधवा पंचायत सचिवालय में गुरुवार को महिला किसान दिवस के अवसर पर कुश्क गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पंचायत की मुखिया दीपा देवी ने किया। इसमें पंचायत क्षेत्र के दर्जनों महिला किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी उधवा ओमप्रकाश साहा ने उपस्थित महिला किसानों को कृषि से जुड़ी सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और उनका लाभ उठाकर खेती को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिला किसानों को कृषि क्षेत्र में



सक्रिय भागीदारी निभाने,आधुनिक तकनीकों को अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया।उन्होंने कहा कि महिलाएं कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण कड़ी है। खेती-किसानी में उनकी भूमिका काफी अहम है। उचित जानकारी,प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने से महिला किसान कृषि कार्यों को और बेहतर तरीके से कर सकती है। इस दौरान

महिला किसानों से अपील की गई कि वे कृषि विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और पात्रता के अनुसार उनका लाभ उठाएं। साथ ही खेती में आधुनिक तकनीक,उन्नत बीज और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया गया। मौके पर बीटीएस सत्येंद्र यादव,कृषि मित्र विक्रम सरकार,नाजिर शेख,उदय कुमार मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

गरबा-डांडिया आयोजनों की जांच की मांग, हिन्दू धर्म रक्षा मंच ने प्रशासन से की कार्रवाई की अपील

साहेबगंज (बिभा)। नवरात्रि के दौरान बहरवा

प्रखंड में आयोजित किए जा रहे गरबा-डांडिया कार्यक्रमों को लेकर हिन्दू धर्म रक्षा मंच ने चिंता जताई है। मंच के केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने इन आयोजनों को लेकर सामने आ रही सूचनाओं के मद्देनजर जिला प्रशासन से आयोजनों की प्रकृति, आयोजकों और व्यवस्थाओं की जांच कराने की मांग की है। वहीं मंच के केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने कहा कि नवरात्रि मां दुर्गा की आराधना, उपासना और शक्ति की भक्ति का पावन पर्व है। गरबा और डांडिया जैसे पारंपरिक आयोजनों का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। ऐसे कार्यक्रमों में सनातन परंपराओं, धार्मिक मर्यादाओं और श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था के नाम पर किसी भी प्रकार की अशोभनीय गतिविधि या परंपराओं के प्रति अहम्मान स्वीकार्य नहीं है। मंच ने प्रशासन से मांग की है कि बहरवा प्रखंड में आयोजित हो रहे संबंधित कार्यक्रमों की वास्तविक स्थिति की जांच कर तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाए। वहीं हिन्दू धर्म रक्षा मंच ने कहा कि धार्मिक आयोजनों की पवित्रता और सांस्कृतिक परंपराओं की गरिमा बनाए रखना आवश्यक है। मंच ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।



विश्व हाथ धुलाई दिवस पर जल सहियाओं ने चलाया जागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

उधवा । विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर गुरुवार को उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में जल सहियाओं ने स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान लोगों को हाथ धोने के सही तरीके बताए गए तथा व्यक्तिगत स्वच्छता अपनाकर विभिन्न बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के तहत बच्चों को साफ-सफाई की आदत विकसित करने और स्वच्छ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। इसी क्रम में मास्टर जलसहिया असनारा बीबी ने पश्चिमी उधवा पंचायत के उत्कर्मित प्राथमिक विद्यालय



खाड़ी मिर्जानगर में बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि शौचालय का उपयोग करने के बाद तथा भोजन करने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोना बेहद जरूरी है। हाथों की नियमित सफाई से कई प्रकार की

संक्रामक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को हाथ धोने की सही प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि स्वच्छता की अनदेखी करने से डायरिया,पेट संबंधी संक्रमण सहित कई बीमारियां फैल सकती हैं। इसलिए प्रत्येक

व्यक्ति को साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बच्चों से अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता संबंधी आदतों को अपनाने तथा अपने परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। जल सहिया ने कहा कि हाथों की स्वच्छता स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर कई बीमारियों से बचा जा सकता है। बच्चों को बचपन से ही स्वच्छता के प्रति जागरूक करना जरूरी है। ताकि वे आगे भी इन आदतों को बनाए रखें। वहीं पीएम श्री उच्च विद्यालय आतापुर में विश्व हाथ

धुलाई दिवस के अवसर पर जलसहिया शिप्रा घोष के द्वारा जन- जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की मुखिया सुशीला किस्कू,पीएम श्री उच्च विद्यालय आतापुर के प्रधानाध्यापक हाकिम मुंझा,प्रियरंजन घोष,प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सत्यजीत सरकार तथा सहायक शिक्षक विजय मुर्मू एवं बिप्लव सरकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को हाथों की स्वच्छता,साबुन से सही तरीके से हाथ धोने तथा स्वच्छता अपनाकर विभिन्न बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

महिला किसानों के सशक्तीकरण और कृषि विकास पर हुई चर्चा

राजमहल(बिभा) । अंतरराष्ट्रीय महिला किसान दिवस 2026 के अवसर पर गुरुवार को राजमहल प्रखंड सभागार में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में महिला किसानों के योगदान को सम्मान देना, उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक करना तथा कृषि के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उपायों पर चर्चा करना था। गोष्ठी में महिला किसानों की कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि खेती-किसानी में महिलाओं का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। महिलाएं कृषि कार्यों के साथ-साथ पशुपालन और अन्य ग्रामीण आजीविका गतिविधियों में भी अहम भूमिका निभाती हैं। ऐसे में उन्हें आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी उपलब्ध कराना और सरकारी योजनाओं से जोड़ना आवश्यक है। कार्यक्रम में महिला किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने तथा कृषि से संबंधित नवीन जानकारीयां प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर महिलाएं खेती को अधिक लाभकारी बना सकती हैं। इससे उनकी आय में वृद्धि होने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। गोष्ठी के दौरान महिला किसानों की आजीविका को सुदृढ़ करने, कृषि कार्यों में उनकी भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने महिला किसानों के परिश्रम, समर्पण और कृषि क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिला किसानों को उचित मार्गदर्शन, तकनीकी प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाया जा सकता है। मौके पर प्रखंड प्रमुख लक्ष्मी उरांव, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी मोहम्मद युसुफ, जिला परिषद सदस्य अब्दुल बारीक, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

साहेबगंज महाविद्यालय की प्लेटिनम जुबली को लेकर अहम बैठक, दो दिवसीय कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। साहेबगंज महाविद्यालय के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले प्लेटिनम जुबली समारोह की तैयारियों को लेकर गुरुवार को महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजीत कुमार सिंह ने की। इसमें महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं के साथ शहर के गणमान्य लोगों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। बैठक में समारोह को भव्य और यादगार बनाने के साथ-साथ अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। बैठक में आयोजन समिति के समन्वयक एवं महाविद्यालय के इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. दिनेश कुमार यादव ने दो दिवसीय प्लेटिनम जुबली समारोह के प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समारोह के दौरान शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महाविद्यालय की गौरवशाली शैक्षणिक यात्रा, उपलब्धियों और योगदान को रेखांकित किया जाएगा। इस अवसर



पर सूर्या नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज के प्रबंधक डॉ. विजय कुमार ने समारोह के प्रचार-प्रसार के लिए महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं की ओर से सद्भावना यात्रा आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से शहरवासियों एवं आम लोगों तक प्लेटिनम जुबली समारोह की जानकारी पहुंचाई जा सकेगी और कार्यक्रम के प्रति उत्साह का माहौल बनेगा। डॉ. रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि समारोह में शामिल होने के लिए भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, झारखंड के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य सरकार के प्रधान सचिव सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रण भेजने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि बेहतर बनाया जा सकता है। वहीं, अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. संतोष कुमार चौधरी ने दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत

और शिक्षा प्रेमियों की भागीदारी आवश्यक है। साथ ही उन्होंने समारोह के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए कहा कि सोशल मीडिया और प्रिंट मीडिया के माध्यम से कार्यक्रम की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाएगी, ताकि सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। मैथिली विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ध्रुव ज्योति सिंह ने समारोह के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय के विकास और गौरवशाली इतिहास में पूर्व शिक्षकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके अनुभवों और सुझावों से समारोह को और बेहतर बनाया जा सकता है। वहीं, अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. संतोष कुमार चौधरी ने दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या : 72-एसडीएसटीई-एसएसएन-2026-27, दिनांक 13.10.2026,
वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन- 713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल:-(i) इलेक्ट्रिक ट्रेनिंग सेंटर, आसनसोल में फेज-2, स्मार्ट क्लासरूम के संबंध में टेलीकम कार्य (ii) ईएलटीसी/आसनसोल में आईजीओटी ट्रेनिंग सेंटर कम कम्प्यूटर आधारित का निर्माण"। **निविदा मूल्य:** रु. 82,43,335.03, **बयाना राशि:** रु. 1,64,900/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 05.11.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** <http://www.ireps.gov.in/>

ASN-291/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : 📠 @EasternRailway 📘 @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं.: सीओएम/घीव्यू/एचडब्ल्यूएच/26/42 दिनांक 10.10.2026
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएफ बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल मंत्रालय के पास, हावड़ा-711101 द्वारा पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों का अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है।
कैटलॉग सं.: घीव्यू-एचडब्ल्यूएच-26-42, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय : दिनांक 27.10.2026 को 12.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं., विवरण** निम्नानुसार है: (1) **एए/1, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूई-ओएच-156-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, हावड़ा मंडल के कटवा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेंटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वाल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। (2) **एए/2, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एमबीजी-ओएच-164-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, हावड़ा मंडल के आरामबाग रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के पास सर्कुलेंटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वाल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। (3) **एए/3, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-टीएच-ओएच-162-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, हावड़ा मंडल के तारकेश्वर रेलवे स्टेशन के सर्कुलेंटिंग एरिया में 50:50 समय साझा करने के आधार पर वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए 01 (एक) वीडियो वाल (एलईडी स्क्रीन) के परिचालन और रखरखाव के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध करना। (4) **एए/4, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एजेड-ओएच-163-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, हावड़ा मंडल के आज़िमगंज रेलवे स्टेशन के सर्कुलेंटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वाल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। (5) **एए/5, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-जेटीएच-ओएच-4-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए क्लस्टर-IV (हावड़ा मंडल के (ग) झपटरे डाल स्टेशन से गुमनामी स्टेशन, (ख) अदलपहाड़ी स्टेशन से कुरुवा स्टेशन, (ग) आज़िमगंज सिटी स्टेशन से ताकीपुर स्टेशन और (घ) चौहड़ा स्टेशन से अजय केबिन तक) के तहत स्टेशनों के आउट ऑफ होम (स्टेशन परिसर के बाहर) में वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन के लिए अनुबंध प्रदान करना। (6) **एबी/1, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केम्प्यू-ओएसएन-30-26-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)]**, तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के कामाकुंडु (एचबीसी) स्टेशन के स्टेशन परिसर के अंदर वाणिज्यिक प्रचार की प्रदर्शनी के लिए अनुबंध प्रदान करना। (7) **एबी/2, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीएसआई-ओएसएन-21-24-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)]**, तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के क्लस्टर-VI के तहत स्टेशनों (बांशबेडिया स्टेशन से आज़िमगंज स्टेशन तक) के स्टेशन परिसर के अंदर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना।

HWH-401/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : 📠 @EasternRailway 📘 @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त डायरी

जीविका दीदी का हुनर देखिए, बांस से बनाती हैं

फूल, लैंप और जहाज, बर्नी लखपति

एजेंसी

पटना। बांस से सुंदर कलाकृतियां बनाकर समस्तीपुर की किरण कुमारी ने लाखों की कमाई की है. जीविका से जुड़कर उन्होंने अपने हुनर को कैसे बनाया रोजगार का जरिया, जानें. बांस से फूल, लैंप और जहाज जैसी कलाकृतियां बनाकर समस्तीपुर की किरण कुमारी अपनी अलग पहचान बना रही हैं. ताजपुर प्रखंड के हरशंकरपुर भगौनी गांव की रहने वाली किरण ने पिता से सीखा हुनर व्यवसाय में बदला है. जीविका से जुड़ने के बाद स्वयं सहायता समूह से ऋण लेकर उन्होंने अपने काम को आगे बढ़ाया. आज वह दिल्ली, नोएडा और पटना समेत कई जगहों पर आয়োजित सरस मेलों में अपने उत्पाद बेचती हैं. किरण के मुताबिक, एक मेले से उन्हें 50 हजार से एक लाख रुपये तक की बचत हो जाती है. पिता से सीखा हुनर, अब बना रोजगार का जरिया किरण कुमारी को बांस से कलाकृतियां बनाने की कला अपने पिता से मिली. उनके पिता बड़े कलाकार थे. उनके साथ काम करते-करते किरण ने भी बांस को आकर्षक उत्पादों का रूप देना सीख लिया. आज वह फूल, छोटे जहाज, टाईटैनिक जहाज, लैंप, हैमिंग लैंप और दीवार पर लगाने वाले लैंप समेत कई तरह की कलाकृतियां बनाती हैं. शुरुआत में यह हुनर उनके लिए पारिवारिक सीख था, लेकिन समय के साथ उन्होंने इसे कमाई का जरिया बना लिया. अब उनके उत्पाद मेलों में ग्रहकों को पसंद आते हैं. कई लोग अपनी पसंद के डिजाइन के उत्पाद बनाने का ऑर्डर भी देते हैं. 10 रुपये की बचत से शुरू हुआ जीविका से जुड़ाव किरण वर्ष 2014 में जीविका से जुड़ी थीं. वह बताती हैं कि एक दिन बाजार जाते समय उन्होंने कुछ महिलाओं को एक जगह बैठकर समूह की गतिविधियों में हिस्सा लेते देखा. पूछने पर पता चला कि वहां जीविका का समूह बन रहा है और प्रत्येक सदस्य को 10 रुपये की बचत करनी है. किरण ने भी समूह से जुड़ने का फैसला किया. छोटी-सी बचत से शुरू हुआ यह सप्तर धीरे-धीरे उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने लगा. उनके अनुसार, समूह ने उन्हें नियमित बचत, बैंकिंग और ऋण लेने की प्रक्रिया समझने में मदद की. 10 हजार से 70 हजार रुपये तक का ऋण किरण ने व्यवसाय शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए समूह से पहले 10 हजार रुपये का ऋण लिया. उसे चुकाने के बाद 20 हजार और फिर 50 हजार रुपये का ऋण लिया. इन दोनों ऋणों की अदायगी के बाद वर्तमान में उन्होंने 70 हजार रुपये का ऋण लिया है. इसी राशि से वह अपना व्यवसाय चला रही हैं. किरण के मुताबिक, जीविका से मिली आर्थिक मदद ने उन्हें अपने हुनर को कारोबार में बदलने का अवसर दिया. इससे वह अपने उत्पाद तैयार करने और उन्हें अलग-अलग बाजारों तक पहुंचाने में सक्षम हुईं. एक मेले से 50 हजार से एक लाख रुपये तक की बचत किरण दिल्ली, नोएडा और पटना में आयोजित सरस मेलों में अपने उत्पादों के स्टॉल लगा चुकी हैं. उनके अनुसार, मेलों में ग्रहकों का अच्छा रिसर्पान्स मिलता है और कई बार उत्पादों की मांग के अनुरूप अतिरिक्त ऑर्डर भी मिलते हैं. एक मेले से 50 हजार से एक लाख रुपये तक की बचत होने का उनका दावा है. दूसरी महिलाओं को भी यह दे रही आत्मनिर्भर बनने का संदेश किरण दूसरी महिलाओं से भी स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने की अपील करती हैं. उनका कहना है कि समूह महिलाओं को बचत करने, बैंक से जुड़ने और जरूरत के अनुसार ऋण लेकर व्यवसाय शुरू करने का अवसर देता है.किरण कहती हैं कि पहले कई महिलाओं को बैंकिंग की जानकारी नहीं थी, लेकिन अब वे खुद बंद जाती हैं, पैसे निकालती हैं और कारोबार भी करती हैं. उनका सप्तर बताता है कि पारंपरिक हुनर, नियमित बचत और सही आर्थिक सहयोग से ग्रामीण महिलाएं अपने लिए रोजगार के अवसर बना सकती हैं.

पटना के पास बसेगा नया शहर, चौड़े रोड, हॉस्पिटल, कॉलेज, बिजली समेत मिलेंगी ये सुविधाएं

एजेंसी

पटना। बिहार में ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप पर काम में तेजी ला दी गई है. पटना की बात करें तो, पाटलिपुत्र सैटेलाइट टाउनशिप को डेवलप किए जाने की पहल हो चुकी है. इसमें लोगों को कई जरूरी सुविधाएं मिल सकेंगी. पटना के पास नया शहर बसाया जाएगा. पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप डेवलप किए जाने के लिए जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है. नए टाउनशिप में लोगों को कई सुविधाएं मिल सकेंगी. इससे राजधानी के लाखों लोगों को फायदा मिल सकेगा. लेकिन दूसरी तरफ कई लोग इसका विरोध भी कर रहे हैं. ये सभी लोगों को मिलेंगी सुविधाएं जानकारी के मुताबिक, नए टाउनशिप में लोगों को चौड़े रोड, हॉस्पिटल, कॉलेज, बिजली, साफ पानी, खेलकूद और मनोरंजन से जुड़ी सुविधाएं मिल सकेंगी. इस तरह से देखा जाए तो लोगों की जो बुनियादी जरूरतें हैं, वह लोगों को एक जगह पर ही मिल जायेंगी. इसके लिए उन्हें कहीं दूर जाने या फिर भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी. कब तक तैयार होगा नया टाउनशिप? बताया जा रहा है कि पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप को 2047 तक पूरा करने का टारगेट सेट किया गया है. नगर विकास एवं आवास विभाग की माने तो, योजना के अनुसार ही शहरी सुविधाओं को विकसित किया जाएगा. बिजली की बेहतर विशेषता के साथ अस्पतालों में लोगों को मॉडर्न सुविधाएं मिलेंगी. इतना ही नहीं, लोगों के लिए उनके जरूरत के अनुसार ही हर सुविधाओं को बहाल किया जाएगा. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें ग्रामीण इलाकों का हो सकेगा विकास मिली जानकारी के अनुसार, टाउनशिप को लेकर लोगों से सुझाव भी मांगे जा रहे हैं. यह मिलने के बाद ही आगे की प्रक्रिया शुरू होगी. टाउनशिप का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण इलाके में होगा. इस तरह से उन इलाकों को एक नई पहचान मिल सकेगी. जो गांव वाले इलाके हैं, उनकी सूरत बदल सकेगी. कई किसान कर रहे हैं विरोध फिलहाल, ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप के लिए कई किसानों की ओर से विरोध जा रहा है हैं. किसानों का कहना है कि उन्हें सरकार की ओर से जमीन के बदले उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है. इस वजह से वे जमीन नहीं दे सकते हैं. लेकिन सरकार लगातार इन समस्याओं पर काम कर रही है और जमीन अधिग्रहण को पूरा करने के लिए कई फैसले लिए जा रहे हैं.

एक तरफ नवरात्र में बेटीयों की पूजा, दूसरी तरफ मासूमों दरिदगी की 4 घटनाएं, 11 दिनों में झकझोर उठा चंपारण एजेंसी

पटना। पश्चिम चंपारण में 11 दिनों में दुष्कर्म की तीन और हत्या की एक घटना ने बेटीयों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं. नवरात्र में नारी शक्ति पूजा के बीच इस तरह की खबरें मानवता को शर्मसार करती हैं वहीं क्राइम न्यूज-नवरात्र में जहां बेटीयों को देवी मानकर पूजा जा रहा है, वहीं चंपारण में 11 दिनों के भीतर बर्चियों से जुड़ी चार घटनाओं ने उनकी सुरक्षा और समाज की सोच पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. बेतिया मेडिकल कॉलेज से मझौलिया, साठी और बैरिया तक सामने आई घटनाओं ने मानवता को शर्मसार कर दिया. बेतिया: इसलौनों से खेलने की उम्र में छह साल की मासूम से दरिंदगी बुधवार, 14 अक्टूबर की देर शाम बैरिया थाना क्षेत्र के एक गांव में छह वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया. जिस उम्र में बच्चे खिलौनों से खेलते हैं और मां की गोद में बेफिक्र होकर सोते हैं, उस उम्र की मासूम के साथ हुई इस घटना ने लोगों को स्तब्ध कर दिया. बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की खबर फैलते ही इलाके में आक्रोश और दुख का माहौल बन गया. जिले में पहले से सामने आई घटनाओं के बीच इस वारदात ने लोगों को फिर मर्माहत कर दिया. मेडिकल कॉलेज: बीमार मां की सेवा करने आई बेटी खुद बन गई दरिंदगी की शिकार चार अक्टूबर को बेतिया के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 14 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया. किशोरी अस्पताल में भर्ती अपनी मां की देखभाल करने पहुंची थी. आरोप है कि निजी लैब में कार्यरत कर्मी उसे अस्पताल परिसर से बाहर अपने किराये के कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया. पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित रवि चंद को गिरफ्तार कर लिया. मां की सेवा करने पहुंची बेटी के साथ हुई इस घटना ने लोगों को झकझोर दिया. मझौलिया में मासूम अनाया की हत्या ने लोगों को भीतर तक हिला दिया. छह अक्टूबर को अचानक लापता हुई बच्ची की तलाश में परिवार दो दिनों तक परेशान रहा.

अपनी सरकार के साथ भी और सवाल भी, चिराग पासवान की भूमिका पर राजनीति में चर्चा तेज

एजेंसी

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान खुद के बयानों की वजह से फिर चर्चा में आ गए हैं. राघोपुर में हुए नाव हादसे पर जिस तरह से उन्होंने प्रशासनिक लापरवाही होने पर कार्रवाई की मांग की. इसके अलावा पहले भी वे सरकार पर सवाल उठा चुके हैं. लेकिन कई मुद्दों पर वे सरकार की सराहना करते हुए भी दिख रहे हैं. ऐसे में उनका अगला कदम क्या होगा, इसे लेकर कयास लगाए जा रहे हैं. बिहार की राजनीति में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की भूमिका एक बार फिर चर्चा में है. वैशाली जिले के राघोपुर में नाव पलटने की घटना के बाद केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए. उन्होंने पीड़ित परिवारों



से मुलाकात की और हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की. यहां गौर करने वाली बात यह रही कि उनके सवाल राज्य की उसी एनडीए सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े थे, जिसके गठबंधन में उनकी पार्टी शामिल है. वैशाली हादसे के बाद चिराग ने क्या सवाल उठाए? वैशाली के रामपुर श्यामचंद गांव के पास नाव

हादसा हुआ था, जिसमें 13 बच्चों की मौत हो गई. 14 अक्टूबर को चिराग पासवान ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने परिजनों का ढाढस बांधा. लेकिन दूसरी तरफ, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की बात भी की. चिराग ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें जानकारी मिली थी कि हादसे में इस्तेमाल की गई नाव क्षतिग्रस्त थी.

बिहार के 4 जिलों में चलेगा अभियान, पुलिस के निशाने पर माफिया और तस्क़र

एजेंसी

पटना। बिहार में शराब तस्करी पर रोक लगाने के लिए सरकार ने अभियान चलाने का फैसला लिया है. राज्य के 4 जिलों में जांच और निगरानी अभियान चलाया जाएगा. इसे लेकर बिहार के मधनियेष, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री मदन सहनी ने आदेश दिए हैं. बिहार में शराबबंदी पर कई बार सवाल उठ चुके हैं. त्योहार के वक्त शराब की तस्करी ज्यादा होने की भी शिकायत सामने आती है. लेकिन इससे पहले बिहार सरकार की तरफ से तैयारी कर ली गई है. राज्य के चार जिलों में शराब त्स्करी पर रोक लगाने के लिए विषेष निगरानी और जांच अभियान चलाया जाएगा. इसे लेकर पुलिस की रडार पर बेल वाले माफिया होंगे. इन 4 जिलों में चलाया जाएगा श्रंभियान मिली जानकारी के अनुसार, बिहार के वैशाली, सारण, सीवान और मुजफ्फरपुर जिले में अभियान चलाया जाएगा. इसके साथ ही भागलपुर और मधुबनी जिले में;भी देसी शराब की जन्ती के लिए अभियान चलाने का फैसला लिया गया है. मधनियेष; उत्पाद एवं निबंधन मंत्री मदन सहनी ने अधिकारियों के साथ बैठक की थी, ऐसे में इस गाड़ियों पर नजर रखने और छापेमारी तेज करने का आदेश दिया गया. साथ ही शराब तस्करी में शामिल बड़े-बड़े माफियाओं और बेल पर जेल से निकले शराब तस्क़रों पर खासकर नजर रखी जाएगी. मंत्री ने शराब तस्करी पर रोक लगाने के लिए डिस्टिल लॉक व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें इसके साथ ही बिहार के अलग-अलग चेकपोस्टों पर सीसीटीवी से मॉनिटरिंग की सुविधा और कर्मियों के बैठने की उचित व्यवस्था करने के आदेश दिए, ताकि निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए. इतना ही नहीं, जिन कर्मियों का लंबे समय से तबादला नहीं हुआ है, उनका ट्रांसफर करने का आदेश दिया गया है. सूखे नशे के बढ़ते प्रचलन को लेकर भी मंत्री ने चिंता व्यक्त की. सूखे नशे के प्रचलन पर जताई चिंता जानकारी के मुताबिक, मधनियेष, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री मदन सहनी ने सूखे नशे के बढ़ते प्रचलन पर रोक लगाने के लिए पुलिस विभाग के साथ समन्वय बनाकर काम करने और लोगों के बीच जागरूकता फैलाने का आदेश दिया. बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान निबंधन व्यवस्था पर भी चर्चा की गई.

बेटे के सामने आरा में रिटायर्ड कस्टम अधिकारी को मारी 8 गोलियां; पत्नी का आरोप-14 कट्टा जमीन के लिए हुई हत्या

एजेंसी

पटना। भोजपुर में रिटायर्ड कस्टम अधिकारी राम कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या हुई. जमीन विवाद और अक्सरों पर गंभीर आरोप लगे हैं. जौन पूरा मामला. भोजपुर जिले में गुरुवार की सुबह बेखौफ अपराधियों ने रिटायर्ड कस्टम असिस्टेंट कमिश्नर राम कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी. जैन कांलेज के पास कनकपुरी मोहल्ले में मॉर्निंग वॉक के लिए निकलने के दौरान उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई. गोली लगने से गंभीर रूप से घायल राम कुमार सिंह को सड़ अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. 14 कट्टा जमीन विवाद में हत्या का आरोप राम कुमार सिंह की हत्या के बाद उनकी पत्नी सुशीला देवी ने जमीन विवाद को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं. उनके मुताबिक, नगर थाना क्षेत्र में स्थित 14 कट्टा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था. इसी विवाद के कारण उनके पति की



हत्या कराई गई है. उन्होंने जमीन से जुड़े मामले में स्थानीय अंचलाधिकारी (सीओ) और पुलिस अधिकारी पर भी आरोप लगाए हैं. पत्नी ने सीओ और थानेदार पर लगाए आरोप सुशीला देवी ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया, लेकिन उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई. उन्होंने मामले में सभी आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस की जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी.

की साजिश में रही. पत्नी ने यह भी कहा कि आरोपित पहले से ही उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे थे. सुशीला देवी के अनुसार, उन्होंने धमकी मिलने के बाद थाने में आवेदन भी दिया था, लेकिन उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई. उन्होंने मामले में सभी आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस की जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी.

अनुज सिंह का नाम प्रशांत किशोर लेंगे वापस, लेकिन पूर्व उट को करना होगा ये काम

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव होने वाला है. इससे पहले चुनाव प्रचार का दौर चल रहा है. प्रशांत किशोर ने सुपौल जिले में पटना स्नातक सीट से जन सुराज के कैंडिडेट अनुज सिंह को लेकर बयान दिया. साथ ही नीरज कुमार को लेकर नीतीश कुमार को चुनौती दी. जनसुराज के सूत्रधार और बांकीपुर के विधायक प्रशांत किशोर लगातार एक्टिव हैं. वे एमएलसी चुनाव को लेकर अपने कैंडिडेट के लिए प्रचार-प्रसार कर रहे हैं. दूसरी तरफ, बिहार की सियासत में नीरज कुमार और अनंत सिंह के बीच खींचतान किसी से भी छिपी नहीं है. इस बीच प्रशांत किशोर ने मंच से खुली चुनौती दी. मीडिया के सवाल पर क्या बोले प्रशांत किशोर सुपौल जिले में अपनी



पार्टी के प्रत्याशी के लिए वोट मांगने पहुंचे थे. यहां मीडिया ने अनुज सिंह को अनंत सिंह का समर्थन मिलने और प्रशांत किशोर ने पहले जो बयान दिया था, उससे जुड़ा सवाल किया. इस पर प्रशांत किशोर ने कहा, नीरज कुमार ने यह दावा किया कि नीतीश कुमार का आशीर्वाद उन्हें प्राप्त है. नीतीश कुमार

के साथ मैंने काम किया है और मैं जानता हूं कि नीरज कुमार की औकात कितनी है. नीरज कुमार को बताया झूठा आगे प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि नीरज कुमार झूठ बोल रहे हैं. अगर नीतीश कुमार उनके पक्ष में हैं तो एक बार मीडिया में एक मिनट का वीडियो जारी कर दें कि नीरज कुमार ने बहुत

उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि सूर्यास्त के काफी देर बाद नाव का संचालन कैसे हो रहा था और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करने वाले अधिकारियों ने इस पर ध्यान क्यों नहीं दिया. उन्होंने यह भी कहा था कि हादसे में प्रशासनिक स्तर पर कोई चूक हुई है या नहीं, इसकी जांच की जाएगी. अगर प्रशासनिक स्तर पर या निजी स्तर पर लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. अपनी ही सरकार से चिराग का सवाल चिराग पासवान के बयान का राजनीतिक महत्व इसलिए भी है क्योंकि उनकी पार्टी एनडीए की सहयोगी है. राजनीतिक जानकारों का मानना ​​है कि ऐसी स्थिति में जब कोई सहयोगी नेता सरकार की व्यवस्था पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाता है, तो उसके बयान को प्रशासनिक

जवाबदेही और गठबंधन के अंदर राजनीतिक संवाद, दोनों नजरिए से देखा जाता है. जानकारों का कहना है कि किसी मुद्दे पर सरकार की आलोचना को सीधे गठबंधन में दारार या टकराव का संकेत मान लेना जल्दबाजी होगी. किसी घटना पर जवाबदेही मांगना और गठबंधन से अलग होने का फैसला करना दो अलग बातें हैं. चिराग के मामले में भी यही अंतर समझना जरूरी है. वैशाली हादसे पर उनका रुख प्रशासनिक कार्रवाई की मांग से जुड़ा है ना कि उनकी पार्टी या एनडीए के बीच किसी तरह के टकराव का. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें पहले भी चिराग उठा चुके हैं सवाल यह पहली बार नहीं है जब चिराग पासवान ने अपनी ही सरकार के खिलाफ आवाज उठाए हैं. इससे पहले जमुई-बांका समेत अन्य जिलों

में लड़कियों के साथ हुए दुर्व्यवहार का वीडियो वायरल होने के बाद भी उन्होंने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे. यहां तक सरकार का हिस्सा होने पर शर्मिंदा होने की बात तक कही थी. चिराग पासवान ने कहा था, यह सच है कि आज की तारीख में बिहार में कोई सेफ फील नहीं महसूस कर पा रहा है. ये चिंता कोई छोटी चिंता नहीं है. मैं भी इस सरकार में सहयोगी हूं और इस सवाल से नहीं भाग सकता हूं. मैं खुद शर्मिंदा महसूस कर रहा हूं, अभी जिस तरह की घटनाएं सामने आ रही है, उसे कतई हल्के में नहीं ले सकते हैं. केंद्र सरकार का कर रहे समर्थन पिछले दिनों दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर युवाओं ने प्रदर्शन किया था. इस पर चिराग पासवान ने केंद्र सरकार का समर्थन किया था. उन्होंने कहा था,

अनंत सिंह के बाद अखिलेश सिंह और अशोक महतो की एंट्री, तीन बाहुबली किसके लिए मांग रहे वोट

एजेंसी

पटना। बिहार के पटना स्नातक चुनाव में तीन बाहुबलियों की एंट्री से मुकाबला दिलचस्प हो गया है. अनंत सिंह जन सुराज के लिए, अखिलेश सिंह जदयू और अशोक महतो राजद उम्मीदवार के पक्ष में वोट मांग रहे हैं. वहीं, अखिलेश सिंह और अशोक महतो की पुरानी अदावत भी चर्चा में है. : बिहार की राजनीति में बाहुबल और सियासी समीकरणों की चर्चा एक बार फिर तेज है. इस बार केंद्र में पटना स्नातक विधान परिषद सीट का चुनाव है. यहां मुकाबला केवल उम्मीदवारों के बीच नहीं, बल्कि उनके समर्थन में उठते प्रभावशाली चेहरों के कारण भी दिलचस्प हो गया है. जदयू विधायक अनंत सिंह जन सुराज के उम्मीदवार डॉ. अनुज सिंह के लिए वोट मांग रहे हैं. वहीं, अखिलेश सिंह जदयू के नीरज कुमार के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं. दूसरी ओर, अशोक महतो राजद उम्मीदवार के समर्थन में मतदाताओं से अपील कर रहे हैं. बिहार विधान परिषद



की आठ सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा. मतगणना 27 अक्टूबर को निर्धारित है. ऐसे में पटना स्नातक सीट पर इन तीनों नेताओं की सक्रियता ने चुनावी चर्चा को और तेज कर दिया है. अनंत सिंह ने अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ लोका मोर्चा मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह इस चुनाव में अपनी पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार नीरज कुमार के बजाय जन सुराज के डॉ. अनुज सिंह का समर्थन कर रहे हैं. उन्होंने अनुज सिंह के लिए खुलकर प्रचार किया है.

साथ ही, नीरज कुमार को हराने की बात भी कही है. यह स्थिति इसलिए अहम है, क्योंकि नीरज कुमार जदयू के वरिष्ठ नेता और पार्टी के मुख प्रवक्ता हैं. ऐसे में अनंत सिंह का अनुज सिंह के पक्ष में उठना जदयू के लिए अहमज स्थिति पैदा करता है. इस चुनाव में अनंत सिंह का समर्थन अनुज सिंह के लिए कितना असरदार साबित होगा, यह मतदान के बाद ही स्पष्ट होगा. फिलहाल, उनकी सक्रियता ने पटना स्नातक सीट को चर्चा के केंद्र में ला दिया है. नीरज कुमार के

राघोपुर में तेजस्वी यादव का विरोध, लोगों ने पूछ- 10 साल से विधायक हैं,



नजर आयीं. उन्होंने कहा कि उनके घर उजड़ गये हैं, लेकिन उनकी समस्याएं सुनने वाला कोई नहीं है. तेजस्वी ने सरकार और प्रशासन पर उठाये सवाल. विरोध के बीच तेजस्वी यादव ने मृतक बच्चों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी. उन्होंने कहा कि यह राजनीति करने का समय नहीं है. यह दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने पहुंचे हैं. तेजस्वी ने हादसे को लेकर नीतीश सरकार और जिला प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल उठाये. उन्होंने आरोप लगाया कि मोहनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर और ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं थे तथा एंबुलेंस की व्यवस्था भी प्रभावी नहीं रही. उन्होंने यह भी कहा कि एसडीआरएफ एनडीआरएफ की टीमें समय पर पहुंचतीं, तो कई जानें बच सकती थीं. मुआवजे के साथ 3 डिगमिल जमीन और पुनर्वास की मांग. तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार की ओर से चार-चार लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की गयी है,

गांधी की जान बचाने वाले बतख मियां के स्मृति स्थल की हालत जर्जर, उठी संरक्षण की मांग

एजेंसी

पटना। चंपारण सत्याग्रह में गांधीजी की जान बचाने वाले बतख मियां अंसारी के स्मृति स्थल के संरक्षण की मांग उठी है. मुखिया वीणा सिंह ने प्रशासन को सौंपा पत्र. चंपारण सत्याग्रह में बतख मियां अंसारी के योगदान को उचित सम्मान दिलाने और उनके स्मृति स्थल के संरक्षण की मांग उठी है. अजगरी पंचायत की मुखिया एवं मुखिया संच की प्रखंड उपाध्यक्ष वीणा सिंह ने इस संबंध में अंचलाधिकारी कृष्ण प्रताप सिंह को मांग पत्र सौंपा है. उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के माध्यम से स्मृति स्थल की पहचान, संरक्षण और सौंदर्यीकरण कराने की मांग की है. साथ ही, वहां स्मारक या सूचना पट्ट स्थापित करने और सरकारी अभिलेखों में बतख मियां अंसारी को उचित स्थान देने का अनुरोध किया है. स्मृति स्थल के संरक्षण और सौंदर्यीकरण की मांग मुखिया वीणा सिंह ने मांग पत्र में कहा है कि 1917 के चंपारण सत्याग्रह से जुड़े स्वतंत्रता सेनानी बतख मियां अंसारी के योगदान को उचित पहचान मिलनी चाहिए, उन्होंने उनके स्मृति स्थल को संरक्षित करने के साथ वहां जरूरी विकास कार्य कराने की मांग की है. वीणा सिंह के अनुसार, स्मृति स्थल पर स्मारक या सूचना पट्ट स्थापित होने से लोगों को उनके योगदान के बारे में जानकारी मिल सकेगी. इससे आने वाली पीढ़ियों को भी चंपारण के इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े इस प्रसंग को जानने का अवसर मिलेगा. गांधीजी की जान बचाने से जुड़ा है बतख मियां का नाम मांग पत्र में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 1917 में महात्मा गांधी के चंपारण आगमन के दौरान उन्हें विष देकर मारने की साजिश रची गयी थी

सम्मानित किया गया। इस अवसर पर साबिर अंसारी ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों और दर्शकों को धन्यवाद दिया तथा शुभकामनाएं दीं। मैच में अंपायर की भूमिका रणजीत यादव ने निभाई। पहले सेमीफाइनल मुकाबले को देखने के लिए मैदान में क्रिकेट प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जीत के लिए पूरा दमखम लगाया, जिससे मुकाबला काफी रोमांचक रहा। किंग सेल्स इलेवन की जीत और फाइनल में प्रवेश से टीम के समर्थकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। मौके पर जफर अंसारी, जमील अंसारी, कन्या अश्रा, राकेश बसरा, हसनैन, प्रशांत कुमार, सरफराज अंसारी समेत बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की दिवंगत मां को केन्द्रीय मंत्री, विधायक और मेयर ने दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के पैतृक गांव नेमरा में गुरुवार को केन्द्रीय मंत्री, मंत्री, विधायक, मेयर, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता, अधिकारी सहित बड़ी संख्या में आमलोग पहुंचे।

सभी ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की दिवंगत मां रूपी सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मुख्यमंत्री से मिलकर गहरी संवेदनाएं प्रकट की। इस दौरान नेमरा गांव में शोक और संवेदनाओं का माहौल रहा।

मुख्यमंत्री से मिलने वालों में केन्द्रीय



मंत्री अन्नपूर्णा देवी, झारखंड के मंत्री दीपक विरूवा, विधायक संजय सिंह यादव, विधायक आलोक सोरेन, विधायक अमित कुमार यादव, रांची की मेयर रोशनी खलखो, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोध कांत साहाय, पूर्व मंत्री हेमलाल मुर्मू,

सहित भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, झारखंड लोक सेवा के अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारी टाटा ग्रुप के अधिकारी, खिलाड़ी, रांची नगर निगम क्षेत्र के पार्षद सहित आमजनों ने नेमरा पहुंचकर दिवंगत रूपी सोरेन की तस्वीर पर पुष्पांजलि कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

साथ ही श्री गुरु सिंह सभा एवं झारखंड बुद्ध सोसाइटी के सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उनकी माता के निधन पर शोक संवेदना प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए सर्वधर्म प्रार्थना की।

मां के निधन के बाद मुख्यमंत्री को संत्वाना देने पहुंच रहे पूरे राज्य से लोग

रामगढ़। मां रूपी सोरेन के निधन के बाद मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के पैतृक गांव नेमरा में पूरे राज्य से लोग उन्हें संत्वाना देने पहुंच रहे हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक भावपूर्ण संदेश साझा किया है। उन्होंने लिखा है कि नेमरा में राज्य के मेरे अपने लोगों के साथ। मुख्यमंत्री की इस पंक्ति में अपने लोगों के प्रति जुड़ाव और अपनत्व का भाव झलकता है। मां के निधन के बाद नेमरा पहुंच रहे लोगों की संवेदनाएं इस कठिन समय में परिवार के प्रति उनके समर्थन को दर्शा रही हैं। नेमरा में जनप्रतिनिधि, शुभचिंतक और विभिन्न क्षेत्रों से लोग पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दे रहे हैं और शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना जता रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपनी दिवंगत मां रूपी सोरेन को याद करते हुए भावुक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमें मां का ही अंश है। वह हर पल मेरे साथ हैं। मुख्यमंत्री के इस कथन में मां के प्रति अटूट प्रेम, गहरा भावनात्मक जुड़ाव और उनकी स्मृतियों को सदैव जीवित रखने का संकल्प झलकता है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मिलने उनके गांव के आसपास के स्कूली छात्र भी पहुंचे। नन्हें छात्र-छात्राओं ने अपने मनोभाव से गहरी संवेदना प्रकट की। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन भावुक हो गए।

आसनसोल आरपीएफ ने 6 माह में 229 बच्चों को बचाया, 50 लाख से अधिक का खोया सामान लौटाया



बिहान भारत

आसनसोल: पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बीते छह महीनों (1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026) के दौरान यात्रियों की सुरक्षा, सहायता और अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए गए अभियानों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आरपीएफ ने 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत स्टेशनों व ट्रेनों से 229 बच्चों (174 बालक व 55 बालिकाएं) को सुरक्षित रेस्क्यू किया। मानव तस्करी के खिलाफ 'ऑपरेशन आइट' के तहत 7 बच्चों को मुक्त कराते हुए 3 तस्करो को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 'ऑपरेशन डिमिटी' के तहत 17 असहाय बुजुर्गों को सुरक्षित सहायता दी गई। यात्रियों के छूटे सामान को लौटाने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन अमानत' के अंतर्गत आरपीएफ ने 50.81 लाख रुपये से अधिक मूल्य का 461 सामान बरामद कर यात्रियों को सौंपा। मानवीय पहल के तहत 'ऑपरेशन सेवा' में 75 लोगों को आपातकालीन चिकित्सा सहायता दी गई,

जबकि 'ऑपरेशन मातृशक्ति' के तहत ट्रेन में प्रसव पीड़ा से जूझ रही गर्भवती महिला को त्वरित मदद उपलब्ध कराई गई। अवैध गतिविधियों पर नकेल कसते हुए 'ऑपरेशन नारकोस' में 41.57 लाख रुपये का 83.08 किलो गांजा और 'ऑपरेशन सतक' में 9.28 लाख की शराब, 39.60 लाख की चांदी व तंबाकू जब्त कर 63 लोगों को दबोचा गया। टिकट दलाली के खिलाफ 16 मामलों में 19 दलाल गिरफ्तार हुए। वहीं वन्यजीव संरक्षण के तहत 'ऑपरेशन वाइलपै' में एक मॉन्टर लिजर्ड और दो कछुए बरामद किए गए। महिला सुरक्षा अभियान के तहत बोगियों में अनाधिकृत प्रवेश पर 2,065 मामले दर्ज किए गए, जबकि पथराव के मामलों में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरपीएफ ने यात्रियों से सतर्क रहने, अधिकृत स्थानों से ही ट्रैक पार करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत सुरक्षा बलों को देने की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

धनबाद रेल मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर चला व्यापक स्वच्छता अभियान

धनबाद(बिभा): स्वच्छता पखवाड़ा-2026 एवं SCDDPM 6.0 के अंतर्गत धनबाद रेल मंडल में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान आज मंडल के विभिन्न प्रमुख स्टेशनों एवं रेल परिसर में विशेष साफ-सफाई की गई। अभियान के तहत स्टेशनों पर गहन सफाई कर पान-गुटखे के दगों को हटाया गया तथा कार्यस्थलों में, फाइलों के रखरखाव और शौचालयों की विशेष सफाई पर जोर दिया गया। साथ ही, जनसंवाद के माध्यम से यात्रियों एवं आम जनता को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थानों पर डालने और रेल परिसरों को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की गई।

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद(बिभा): धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 442 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्री शामिल थे। इस दौरान उनसे 2,73,060 रूपए जुमाने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़े गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया। धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा। टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के आसपास टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।

झारखंड स्कूल आइडल: सुर और ताल संग्राम' में दिखा छात्रों का उत्साह



रांची(बिभा): स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा पहली बार आयोजित झारखंड स्कूल प्रतिभा खोज 2026-झारखंड स्कूल आइडल : सुर और ताल संग्रामह् के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित जिला स्तरीय चयन कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं का उत्साह और जोश देखने को मिला। 15 अक्टूबर को राँची, हजारीबाग, दुमका, कोडरमा, खूंटी सहित कई जिलों में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने गायन एवं नृत्य की विभिन्न विधाओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विशेष रूप से छात्राओं ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परियोजना निदेशक श्री शशि रंजन एवं राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री धीरसेन ए. सोरेंग के नेतृत्व में जागरूकता अभियान के तहत जागरूकता वैन रवाना की गई है। प्रतियोगिता में दक्ष 6 से 8 तथा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। जिला स्तरीय चयन की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर 2026 निर्धारित है। जिला स्तर पर चयनित प्रतिभागी प्रमण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जहाँ से चयनित प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। यह पहल विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं कला-संस्कृति को प्रोत्साहित करने तथा उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

झारखंड में राष्ट्रीय राजमार्गों को नई रपतार: पलमा-गुमला फोर-लेन बनकर तैयार, शुरू हुआ यातायात

1,908 करोड़ की लागत से तैयार 63.17 किमी मार्ग आम जनता के लिए खुला, यात्रा समय और ईंधन की होगी बचत

झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा से गुमला तक 869.58 करोड़ से 32.37 किमी ग्रीनफील्ड हाईवे का निर्माण तेज

बिभा संवाददाता

रांची/गुमला: झारखंड में बेहतर कनेक्टिविटी और सुगम यातायात की दिशा में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। एनएच-43 पर पलमा से गुमला के बीच लगभग 63.17 किलोमीटर लंबे फोर-लेन राजमार्ग का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इस मार्ग पर वाहनों का परिचालन शुरू कर दिया गया है। कुल 1,908.43 करोड़ रुपये की



लागत से तैयार इस फोर-लेन सड़क से यात्रियों को सुरक्षित और तेज आवागमन की सुविधा मिलने लगी है। एनएचएआई रांची के क्षेत्रीय अधिकारी संतोष कुमार आर्य ने बताया कि इस परियोजना से यात्रा समय और ईंधन में भारी बचत होगी तथा स्थानीय व्यापार, कृषि उत्पादों के परिवहन और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। परियोजना का औपचारिक पूर्णता प्रमाण-पत्र 31 जनवरी 2027 तक जारी होने की उम्मीद है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए मार्ग पर 1033



तहत 15 पुल, 22 ग्रेड-सेपरेटेड संरचनाएं, 95 बॉक्स कल्वर्ट और 10.08 किमी सर्विस रोड का निर्माण शामिल है, जिसे 730 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य है। एनएचएआई के महाप्रबंधक विजय कुमार और गुमला पीआईयू के परियोजना निदेशक कुमार गौतम ने बताया कि दोनों परियोजनाएं पूरी होने से भारी वाहनों को आबादी वाले इलाकों से बाहर सीधा वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। इससे क्षेत्र में न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि व्यापार, उद्योग और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

खूंटी में तीन स्कूलों का विलय, नामांकन शून्य वाले छह विद्यालय होंगे बंद

बिभा संवाददाता

खूंटी। जिले में विद्यालयों के पुनर्गठन की प्रक्रिया के तहत तीन विद्यालयों का दूसरे स्कूलों में विलय कर दिया गया है, जबकि विद्यार्थियों का नामांकन शून्य रहने के कारण छह विद्यालयों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। ग्रामसभा और प्रखंड शिक्षा समिति की अनुशंसा के बाद जिला प्रारंभिक शिक्षा समिति की बैठक में इन प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। विद्यालयों के विलय के तहत खूंटी सदर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, करगे को राजकीय प्राथमिक विद्यालय, ईरूद में समाहित किया गया है। वहीं, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, बुरुहातू का विलय राजकीय उत्क्रमित मध्य सह उत्क्रमित उच्च विद्यालय, लांदतूर में किया गया है। इसके अलावा नव प्राथमिक विद्यालय, सगा को उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय,



बारूडीह में मर्ज किया गया है। तीन प्रखंडों के छह विद्यालय होंगे बंद

नामांकन शून्य रहने के कारण जिले के तीन प्रखंडों के छह विद्यालयों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। इनमें अड़की प्रखंड के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, पिरतीटोली और उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, चोन्डोरडीह शामिल हैं। मुरुढ़ प्रखंड में उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, जलासार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मधुकमडीह और उत्क्रमित मध्य विद्यालय, उबुरू को बंद करने का फैसला लिया गया है। वहीं, तोरपा प्रखंड के उत्क्रमित

प्राथमिक विद्यालय, सरंगलोथा को भी बंद किए जाने वाले विद्यालयों की सूची में शामिल किया गया है। विद्यालयों के पुनर्गठन से संबंधित यह निर्णय स्थानीय स्तर पर प्राप्त अनुशंसाओं के आधार पर लिया गया है। पहले ग्रामसभा और प्रखंड शिक्षा समिति ने संबंधित विद्यालयों के विलय एवं बंद करने की अनुशंसा की। इसके बाद जिला प्रारंभिक शिक्षा समिति की बैठक में प्रस्तावों पर विचार कर अंतिम निर्णय लिया गया। इस फैसले के तहत जिले में तीन विद्यालयों का विलय और छह विद्यालयों को बंद किया जाएगा।

स्वच्छता पखवाड़ा: हाजीपुर में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित, 25 सफाई मित्र हुए सम्मानित

बिहान भारत

हाजीपुर : स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने, स्वच्छ कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने तथा स्वच्छता अभियान में सहभागी व्यक्तियों के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से आज कॉर्फ़ेस हॉल, महाप्रबंधक कार्यालय, हाजीपुर में स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अमरेंद्र कुमार अपर महाप्रबंधक ने की तथा श्री जनार्दन प्रसाद, उल्लेखलट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं उनके परिणामों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर कार्यालय स्वच्छता प्रतियोगिता, विद्यालय के बच्चों के



लिए निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता तथा सफाई मित्रों के सम्मान से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यालय स्वच्छता प्रतियोगिता - कार्यालय स्वच्छता प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन विभागों को पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता में प्रशासन विभाग ने प्रथम स्थान, यांत्रिक विभाग ने द्वितीय स्थान तथा इंजीनियरिंग विभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता विभागों के प्रतिनिधियों को पुरस्कार प्रदान कर उनके प्रयासों की सराहना की गई। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कार्यालय परिसर में

स्वच्छता, सुव्यवस्था एवं स्वच्छ कार्यस्थल की संस्कृति को बढ़ावा देना था। विद्यालय के बच्चों को किया गया प्रोत्साहित - स्वच्छता के प्रति बच्चों में जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता में

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, पांच बच्चों को सांत्वना पुरस्कार देकर उनकी सहभागिता एवं रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया गया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

25 सफाई मित्रों को किया गया सम्मानित - कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 25 सफाई मित्रों को अपर महाप्रबंधक महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। इस पहल के माध्यम से सफाई मित्रों के योगदान के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया गया। साथ ही, जूट बैग के

वितरण द्वारा पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाने तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का संदेश भी दिया गया। स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर - कार्यक्रम में स्वच्छता को केवल एक अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन एवं कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया। स्वच्छ कार्यालय, स्वच्छ परिसर और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। समारोह के अंत में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रतिभागियों के प्रतिभागियों, विद्यालय के बच्चों तथा सफाई मित्रों के योगदान की सराहना की गई।